●वर्ष : 16 ●अंक : 234 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

मंगलवार 17 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

मोटरसाइकिल की अज्ञात वाहन से टक्कर , दो युवकों की मौत

बलिया। जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में पहाड़पुर गांव के समीप एक मोटरसाइकिल की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई, जिससे दो युवकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रसड़ा-फेफना मार्ग पर पहाड़पुर गांव के समीप रविवार रात एक मोटरसाइकिल की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई, जिसमें मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के काछीकला गांव के अरविंद साहनी (30), दिनेश साहनी (28) एवं पवन चौहान (26) गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दिनेश एवं अरविंद को मृत घोषित कर दिया, जबकि पवन चौहान का इलाज चल रहा है। दुर्घटना के समय मोटरसाइकिल पर सवार तीनों युवक गड़वार थाना क्षेत्र के नरांव गांव में एक बारात में शामिल होने के लिए जा रहे थे। कोतवाली प्रभारी रत्नेश सिंह ने सोमवार को बताया कि पुलिस दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी। सिंह के मुताबिक हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस इस मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

उत्तर प्रदेश: एक्सप्रेस ट्रेन के कोच से धुआं निकलने से अफरातफरी मची

छपरा। से मथुरा जा रही एक्सप्रेस ट्रेन में सवार यात्रियों में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कोच से अचानक धुआं निकलने लगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, ब्रेक जाम होने के कारण कोच से धुआं निकला था जिसे तुरंत ही दुरुस्त कर दिया गया। यह घटना गौरी बाजार और बैतालपुर रेलवे स्टेशन के बीच मथुरा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में हुई। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन को रोक दिया गया और गार्ड व चालक ने समस्या का तुरंत समाधान कर दिया। इसके बाद ट्रेन करीब 30 मिनट की देरी से अपनी मंजिल के लिए रवाना हुई। गौरी बाजार रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर भरत कुमार ने बताया, एक कोच में धुआं निकलने की सूचना मिलने पर ट्रेन को रोक दिया गया और चालक तथा गार्ड ने जाम हुए ब्रेक को ठीक किया, जिससे धुआं निकल रहा था। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। स्टेशन मास्टर ने बताया, ब्रेक के ठीक से काम करने की पुष्टि करने के बाद ट्रेन को करीब आधे घंटे की देरी से रवाना किया गया।

दिल्ली में सपा नहीं उतारेगी उम्मीदवार

अखिलेश यादव ने आप को बिना शर्त दिया समर्थन

>> आप के मंत्री और बड़े नाम यहां से लड़ रहे चुनाव

आम आदमी पार्टी ने मालवीय नगर से सोमनाथ भारती को उतारा है। ग्रैटर कैलाश से मंत्री सौरभ भारद्वाज प्रत्याशी हैं। बाबरपुर से मंत्री गोपाल राय और तिलक नगर से जरनैल सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। सत्येंद्र कुमार जैन शकूर बस्ती से, मुकेश कुमार अहलावत सुल्तानपुर माजरा से, रघुविंदर शौकीन नांगलोई जाट से, सोम दत्त सदर बाजार से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं पार्टी ने मनीष सिसोदिया को इस बार जंगपुरा से चुनाव मैदान में उतारा है।

>> आप ने 15 फीसदी महिलाओं को दिया मौका

पांच मुस्लिम समुदाय से उम्मीदवार उतारे हैं। 10 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। यानी 15 फीसदी महिलाओं को जगह दी है। अब आप ने 70 सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। पार्टी ने पहली सूची में 11 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया था। वहीं, दूसरी सूची में 20 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए। पार्टी ने अपनी तीसरी सूची में एक नाम की घोषणा की थी। चौथी व अंतिम सूची में 38 नामों की घोषणा की गई है।

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार नहीं उतारेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में आप को बिना शर्त समर्थन देने की बात कही है। आम आदमी पार्टी सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर नई दिल्ली से चुनावी मैदान में हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

>> पिछले चुनाव में आप ने 70 में से 62 सीटें अपने नाम की थीं

अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर चुनाव होना है। जिसकी तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी पूरे जोश में काम कर रही है। अभी दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान अभी हुआ नहीं है। 2020 में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल किया था और 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा के खाते में 8 सीटें गई थीं, जबकि कांग्रेस के हाथ खाली रहे थे।

प्रियंका गांधी ने वायनाड में मानव-पशु संघर्ष का विषय लोकसभा में उठाया

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में मानव-पशु संघर्ष से जुड़ा मुद्दा सोमवार को लोकसभा में उठाया और सरकार से सवाल किया कि क्या प्रभावित लोगों को सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने लोकसभा में पूरक प्रश्न पूछते हुए यह विषय उठाया। प्रियंका गांधी ने कहा, मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में मानव-पशु संघर्ष का मुद्दा उठाना चाहूंगी। पिछले साल 90 लोग प्रभावित हुए हैं। कल भी किसी जंगली जानवर ने हमला किया है। इसलिए मैं पूछना चाहती हूं कि सरकार विशेष रूप से किसानों और आम लोगों को क्या मुआवजा देगी। कांग्रेस नेता के प्रश्न के उत्तर में पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि पूरक प्रश्न का सूचीबद्ध प्रश्न से कोई संबंध नहीं है। हालांकि, उन्होंने बताया कि प्रशासन और वन विभाग वायनाड में मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए कार्यों की एक प्रति वायनाड की सांसद के साथ साझा की जाएगी।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

चुनावी राजनीति में सॉफ्ट टारगेट क्यों बनती जा रही हैं महिलाएं ?

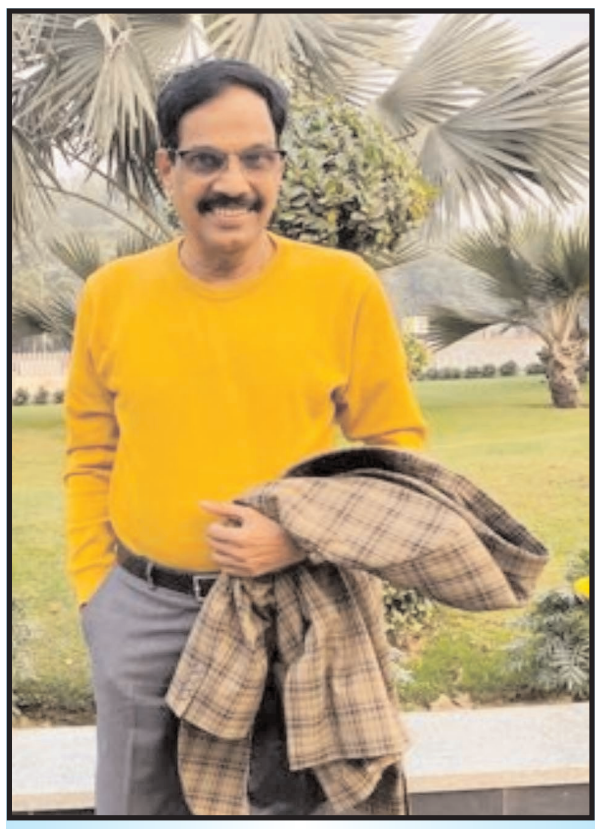

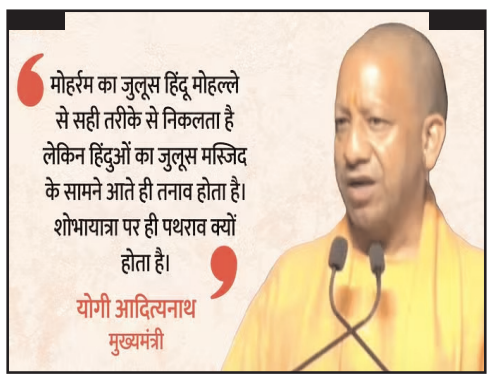

भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे-कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है। राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक-दो किस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है। हाल ही में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही किया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है। लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY

MOBILE NO. 9911371802

EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

ओम शान्ति। हार्दिक श्रद्धांजलि। बेहद धक्का लगा। स्व. राजीव गांधीजी और उनकी शहादतके उपरांत श्रीमती सोनिया गांधीजी के साथ लंबे समय तक एक विश्वसनीय सहयोगी रहे श्री पीपी माधवनजी के निधन का समाचार बहुत दुखद है। वह पूरे निस्वार्थ भाव से कॉंग्रेस और देशके प्रति समर्पित थे, व सबके मददगार भी थे। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणोंमें स्थान दें और परिवारको सहनशक्ति।

-- डॉ.जया शुक्ला

हिन्दुओं का जुलूस मस्जिद के सामने से क्यों नहीं निकल सकता: सीएम योगी

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। यूपी विधानमंडल का सत्र सोमवार से शुरू हो गया। जैसा कि पहला दिन हंगामेदार होने की उम्मीद थी। वैसा ही हुआ। सपा नेताओं ने नारेबाजी करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष उन्हें समझाते रहे। इससे पहले सीएम योगी ने मंत्रियों और विधायकों से तैयारी करके आने के लिए कहा है। सीएम ने कहा कि जो बराबरी नहीं कर सकते, वो बुराई करते हैं। विपक्ष की बुराई में न्याय नहीं दिखता। कहा कि आज हनुमान मंदिर मिला है। कुएं में मूर्तियां मिल रही हैं। 22 कुएं पाटे गए। कहा कि सफीकुर्रहमान कभी खुद को भारत का नहीं मानते थे... वह कहते थे कि मैं बाबर का संतान हूं। कहा कि भारत में राम की संस्कृति रहेगी। बाबर की संस्कृति नहीं रहेगी। सीएम ने कहा कि चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया। विपक्ष बंदूक की नोक पर अपना काम करना चाहता है। कहा कि बहराइच और संभल की घटना में कार्रवाई आगे बढ़ रही है। सच सामने आएगा। आपकी पत्थरबाजी से सौहार्द नहीं आएगा। कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जहां बहुसंख्यक समाज सिर्फ समान नागरिक कानून मांग रही है। इसकी मांग कोई बुरी बात नहीं है। कहा कि विपक्ष सुप्रीम कोर्ट के आदेश को रोक लगाने की मांग करते हैं। कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने समान नागरिक कानून की बात कही तो, विपक्ष ने उनके खिलाफ महाभियोग की नोटिस दे दी।

>> किसी क्षेत्र में भगवा झंडा क्यों नहीं लग सकता-सीएम

सीएम ने कहा कि मुस्लिम त्योहार आराम से हो जाते हैं। दंगे सिर्फ उसी क्षेत्रों में क्यों होते हैं, जहां मुस्लिम आबादी होती है। कहा कि जब मंदिर के सामने से जुलूस निकल सकता है, तो मस्जिद के सामने से शोभायात्रा क्यों नहीं निकल सकती। एक झंडा लगाने में युवक की हत्या हो गई। अपने ही देश में कोई एक झंडा क्यों नहीं लगा सकता। भगवा झंडा क्यों नहीं लग सकता।

>> सीएम ने गिनाया कब और किस दंगे में कितने लोगों की मौत

आगरा में 1972 में दंगा- 19 लोगों की मौत हुई। 1972 में आजमगढ़ में दंगा हुआ। तीन लोगों की मौत हुई। 1973 आगरा में फिर दंगा हुआ। एक व्यक्ति की मौत हुई। 1973 में गोंडा में दंगा हुआ। एक व्यक्ति की मौत हुई। 1973 में प्रयागराज में दंगा हुआ। तीन लोगों की मौत हुई। 1973 में मेरठ में दंगे में 8 लोगों की मौत हो गई। आगरा में 1974 में दंगे में एक की मौत हो गई। इसी वर्ष पीलीभीत दंगे में तीन लोगों की मौत हो गई।

>> कुंदरकी की जीत सनातन की जीत-सीएम

कहा कि शोभा यात्रा के दौरान भजन बजाए जाते हैं। नवरात्रि पर मां दुर्गा के गाने बजते हैं। उनका आरती बजती है। मां दुर्गा हमारे लिए आस्था और सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। कहा कि कुंदरकी की जीत सनातन की जीत है। कुंदरकी, फूलपुर सहित सातों सीटों पर जो जीत मिली वह सनातन की जीत है।

>> तमंचा लहराते, पत्थर फेंकते लोगों के विजुअल मौजूद

कहा कि दंगे में शामिल, तमंचा लहराते, पत्थर फेंकते लोगों के सारे विजुअल हैं। दोषी को कोई बचा नहीं पाएगा। दंगे और दंगाइयों के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस है। कहा कि किसी को कहीं से भी निकलने से कोई नहीं रोक सकता। बहराइच में परंपरागत यात्रा निकलने के दौरान घटना की गई।

>> दंगे और दंगाइयों के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस

सीएम ने कहा कि पिछले 7.5 वर्ष में सभी पर्व शांतिपूर्ण संपन्न हुए। सभी वीवीआईपी विजिट शांति से संपन्न हुए। 2025 में यूपी को दुनियाभर का समागम करने का अवसर मिल रहा है। तो विपक्ष से अपील है कि अपने वक्तवयों को ठीक रखें। कोई भी अराजकता करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

अंबाला में किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

>> हरियाणा में मोबाइल इंटरनेट और रटर सेवाएं निलंबित कीं

नूना न्यूज एजेंसी।

अंबाला। किसानों का विरोध: दिल्ली की ओर पैदल मार्च कर रहे 101 किसानों के जत्थे को हरियाणा पुलिस द्वारा शंभू बॉर्डर पर रोके जाने के बाद, किसानों ने आज सोमवार को हरियाणा के अंबाला जिले में ट्रैक्टर मार्च निकाला। ट्रैक्टर मार्च संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के किसानों द्वारा उठाई जा रही मांगों के समर्थन में था, जो हरियाणा राज्य के खनौरी और शंभू बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पों के बाद चल रहा आंदोलन और तेज हो गया है, जिसमें 17 किसान कथित रूप से घायल हुए हैं। किसानों ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखने की कसम खाई है, जिसमें 16 दिसंबर को ट्रैक्टर मार्च और 18 दिसंबर को 'रेल रोको' की योजना शामिल है।

>> अनिल विज ने किसानों से वैकल्पिक रास्ता खोजने का आग्रह किया

इस बीच, हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने किसानों से ट्रेनों को रोकने के बजाय विरोध करने के वैकल्पिक तरीके खोजने का आग्रह किया है। विज ने कहा, "प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद हर संगठन विरोध प्रदर्शन कर सकता है। किसानों को ट्रेनें नहीं रोकनी चाहिए क्योंकि इससे कई लोगों को असुविधा होगी। उन्हें विरोध करने का कोई और तरीका ढूँढ़ना चाहिए।

18 दिसंबर को रेल रोको प्रदर्शन इस बीच, सरवन सिंह पंधेर ने पंजाब के लोगों से 18 दिसंबर को किसानों द्वारा निर्धारित 'रेल रोको' आंदोलन में शामिल होने की अपील की। एएनआई के हवाले से पंधेर ने कहा, "मैं पंजाब के लोगों से 18 दिसंबर को 'रेल रोको' आंदोलन में शामिल होने की अपील करना चाहता हूँ। हम पंजाब के सभी 13,000 गाँवों के लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे रेलवे ट्रैक के पास रहते हैं और अपने निकटतम रेलवे क्रॉसिंग और रेलवे स्टेशनों को दोपहर 12 से 3 बजे तक बंद कर दें।" किसान नेता ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर किसानों के लिए पार्टी के वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए मार्च कर रहे हैं। वे केंद्र पर अपने मुद्दों को हल करने के लिए उनसे बातचीत करने का भी दबाव बना रहे हैं। किसान संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले एकत्र हुए हैं और 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले हुए हैं, जब सुरक्षा बलों द्वारा दिल्ली की ओर उनके मार्च को रोक दिया गया था।

>> हरियाणा ने मोबाइल इंटरनेट, बल्क एसएमएस सेवाएं निलंबित कीं

किसानों के नियोजित मार्च के जवाब में, हरियाणा सरकार ने "सार्वजनिक शांति" बनाए रखने के लिए अंबाला जिले के 12 गांवों में मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सुमिता मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह निलंबन 17 दिसंबर तक लागू रहेगा।

CMYK

प्रियंका बोलीं- बांग्लादेश में हिंदुओं और ईसाइयों पर हो रहे अत्याचार रोकने के लिए हस्तक्षेप करे मोदी सरकार

प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की

नई दिल्ली। 16 दिसंबर वायनाड से सांसद और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश में हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ हो रही हिंसा के मुद्दे को लोकसभा में उठाते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। प्रियंका गांधी ने विजय दिवस के अवसर पर संसद में बोलते हुए 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के शहीदों, सैनिकों और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को नमन किया। उन्होंने कहा कि उस समय बांग्लादेश के साथ भारत अकेला खड़ा था। पूरे विश्व ने कोई सुनवाई नहीं की। बांग्लादेश के हमारे भाई-बहनों की आवाज कोई नहीं सुन रहा था। उस समय देश की जनता एकजुट होकर अपनी सेना, देश के नेतृत्व और अपने उसूलों के साथ खड़ी हुई। भारत ने उस युद्ध में जो विजय पाई, वह जनता के सहयोग के बिना नहीं हो सकती थी। प्रियंका गांधी ने इंदिरा गांधी को महान शहीद बताते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में ऐसा साहस और नेतृत्व दिखाया, जिससे देश विजयी हुआ। भाजपा सदस्यों की टोका-टोकी के बीच प्रियंका गांधी ने कहा कि बांग्लादेश की लड़ाई उसूलों की लड़ाई थी, आज वह इस संदर्भ में दो मुद्दे उठाना चाहती हैं। बांग्लादेश में जो हिंदुओं, ईसाइयों व अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है, उसके विरुद्ध सरकार को आवाज उठानी चाहिए। सरकार को बांग्लादेश के साथ बातचीत करनी चाहिए और जिनपर अत्याचार हो रहा है, उन्हें पूरा समर्थन देना चाहिए। प्रियंका गांधी ने नई दिल्ली स्थित सेना के मुख्यालय से भारत के सामने पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण करने वाली तस्वीर को हटाने का मुद्दा भी संसद में उठाया। उन्होंने कहा कि सेना मुख्यालय से ढाका में पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण की ऐतिहासिक तस्वीर को हटाना वीर सैनिकों का अपमान है। उन्होंने मांग की कि इस ऐतिहासिक तस्वीर को तुरंत सेना मुख्यालय में उसकी मूल जगह पर बहाल किया जाए।

चिन्मय स्कूल में पिछले दिनों छात्र प्रिंस की हुई मौत के बाद रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रिंस को न्याय दिलवाने को लेकर प्रिंस के माता-पिता के साथ भारत की क्रांतिकारी मजदूर पार्टी धरना प्रदर्शन करते हुए।

दिल्ली में बड़ी ठंड के कारण गोल मार्किट इलाके में आग तापते लोग। (सईद अहमद)

गौमाता को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने के लिए धरना-प्रदर्शन।

मीनाक्षी चौधरी
पत्रकार।

नयी दिल्ली, 16 दिसंबर 2024 (एजेंसी)। गौमाता को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने की मांग को लेकर मैं हिंदू हूं संगठन के कार्यकताओं ने कल यहां धरना-प्रदर्शन प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य देवेंद्र आर्य की अगुआई में यह धरना-प्रदर्शन यहां जंतर-मंतर पर किया और देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर श्री आर्य ने कहा कि इस आंदोलन का उद्देश्य गौमाता को भारतीय संस्कृति में उसके महत्व के अनुरूप कानूनी मान्यता दिलाना और गोवंश का संरक्षण सुनिश्चित करना है। श्री आर्य ने कहा कि गौमाता को हमारे वेदों में विश्व की माता कहा गया है। यह हमारे लिए ईश्वर का वरदान है। इसे राष्ट्रीय दर्जा दिलाने के लिए हमारा यह अभियान पूरे भारत में चलेगा। हस्ताक्षर अभियान का उद्देश्य लाखों लोगों का समर्थन जुटाना है।अभियान के पूर्ण होने के बाद यह ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, और मुख्य न्यायाधीश को सौंपा जाएगा। एल.एस.

प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक बार फिर सदन और देश को गुमराह करने की कोशिश की

दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक बार फिर सदन और देश को गुमराह करने की कोशिश की और कहा कि 1947 से 1952 के बीच में कोई Elected सरकार नहीं थी और वो गैरकानूनी संशोधन ला रहे थे। उन्होंने नेहरू जी, सरदार पटेल जी, बाबासाहेब आंबेडकर जी और खुद उनके अपने नेता श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी की credibility पर हमला बोला। नेहरू जी के खिलाफ नफरत में आप इतना बह गए कि आपने संविधान सभा, अंतरिम सरकार और अंतरिम संसद सब पर सवाल खड़ा कर दिया। प्रधानमंत्री ने ये भी कहा कि 1951 में जब चुनी सरकार नहीं थी, नेहरूजी ने अध्यादेश लाकर संविधान को बदला। मोदी जी शायद भूल गए कि संविधान का पहला संशोधन Provisional Parliament ने किया था जिसके सदस्य संविधान सभा के ही सदस्य थे।

साहित्य अकादमी के पुस्तकायन में राजीव रंजन प्रसाद के उपन्यास लाल अंधेरा पर चर्चा

उपन्यास लाल अंधेरा पर चर्चा करते गणमान्य।

नई दिल्ली, दिसम्बर : साहित्य अकादमी के मंच पर आयोजित पुस्तकायन कार्यक्रम में राजीव रंजन प्रसाद के यश पब्लिकेशंस से प्रकाशित उपन्यास लाल अंधेरा पर विचार-विमर्श हुआ। इस चर्चा में वरिष्ठ लेखक व भाषाविद कमलेश कमल, एंकर प्रखर श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी दुबे, और पत्रकार आशीष कुमार अंशु ने अपने विचार रखे। लाल अंधेरा माओवाद की सच्चाई को उजागर करते हुए उन घटनाओं और पात्रों का वर्णन करता है, जो अक्सर अनदेखे रह जाते हैं। लेखक राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि सरकारी व्यवस्था और माओवादियों के बीच फंसे आदिवासियों का जीवन संघर्षों से भरा है। यह बस्तर के कड़वे यथार्थ को सामने लाता है, जिसे सभी को जानना चाहिए। कमलेश कमल ने बस्तर में अपनी तैनाती के अनुभव साझा करते हुए उपन्यास को गहन शोध और आत्मानुभव की अभिव्यक्ति बताया। प्रखर श्रीवास्तव ने मीडिया की हिपोक्रेसी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नक्सलवाद की खबरों को मुख्यधारा का मीडिया अक्सर दबा देता है। अश्विनी दुबे ने शहरी माओवादियों की पहचान पर जोर देते हुए उन्हें सिस्टम के लिए खतरा बताया। कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार अंशु ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रकाशक जतिन भारद्वाज ने दिया।

आप की महिला अदालत के बाद केजरीवाल के घर के बाहर बीजेपी का प्रदर्शन

दिल्ली। आम आदमी पार्टी की महिला अदालत के बाद अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर भारतीय जनता पार्टी ने प्रदर्शन किया है। बीजेपी की महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत के नेतृत्व में अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। बीजेपी ने केजरीवाल पर महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए और स्वाति मालीवाल केस की याद भी दिलाई। बीजेपी ने कहा कि राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार उनके घर पर ही बदसलूकी करते हैं। ऐसे में वो महिला सुरक्षा पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं रखते हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के वादे करने वाली आप सरकार ने न केवल उन वादों को पूरा करने में विफलता दिखाई है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा पर ध्यान देने के बजाय राजनीति को प्राथमिकता दी है। दिल्ली की महिलाएँ अब काम और परिणाम चाहती हैं, न कि खोखले दावे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। त्यागराज स्टेडियम में एक 'महिला अदालत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र के पास दिल्ली पुलिस की शक्तियां होने के बावजूद भाजपा महिलाओं की सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता नहीं मानती है। केजरीवाल ने कहा कि दस साल पहले, आपने मुझे दिल्ली में स्कूलों, अस्पतालों और पानी की आपूर्ति में सुधार की जिम्मेदारी दी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह महिलाओं को "वोट बैंक" के रूप में नहीं मानते हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सब कुछ किया है।

राजस्थान की प्राकृतिक संपदा और आधुनिक बुनियादी ढांचा इसे निवेशकों के लिए खास बना रहा है : मोहित टांटिया

नई दिल्ली, दिसम्बर : राजस्थान निवेश के नए आयाम गढ़ रहा है, जहां भूमि, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसी असीम संभावनाएं वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। हाल ही में जयपुर में हुए राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन 2024 में 34 लाख करोड़ रुपये से अधिक के समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इन एमओयू को धरातल पर लाने की प्रतिबद्धता जताई है। नैशनल इंस्टीच्यूट फॉर लोकोमोटर डिसेबिलिटीज (एनआईएलडी-कोलकाता) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की परामर्श समिति (राजस्थान) के सदस्य मोहित टांटिया का कहना है, ह्लराजस्थान में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, बेहतर कनैक्टिविटी और निवेशकों के अनुकूल नीतियां इसे एक आदर्श निवेश गंतव्य बनाती हैं। राजस्थान में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और बुनियादी ढांचा मौजूद है। 325 दिनों तक सूर्य की तेज रोशनी और तेज हवाओं की बदौलत यह राज्य सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी है। इसके साथ ही यहां की कानून-व्यवस्था, विशाल भूमि क्षेत्र और शानदार कनेक्टिविटी निवेशकों को आकर्षित करती है। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआईसी) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) का बड़ा हिस्सा राजस्थान से गुजरता है। पर्यटन और ऊर्जा जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा, राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल, स्टार्टअप्स और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी निवेश के बड़े अवसर हैं। कृषि क्षेत्र में भी राजस्थान अग्रणी है। यह मोठ, सरसों, ग्वार गम, बाजरा और औषधीय फसलों का प्रमुख उत्पादक है। जैविक कृषि और पशुधन के क्षेत्र में भी बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं। सरकार का लक्ष्य अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना और 10 लाख रोजगार सृजित करना है। जयपुर में आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह पहल राजस्थान को आर्थिक विकास और निवेश के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख?यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह की है कि उनकी सरकार इन एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए पूरी शक्ति के साथ काम करेगी। यही नहीं, अगले वर्ष 11 दिसंबर को इन सभी एमओयू के जमीन पर उतरने की कार्रवाई की समीक्षा कर उसे जनता के सामने रखा जाएगा। वास्तव में राजस्थान निवेश के नभ का एक चमकता सितारा बनकर उभर रहा है। यहां के अवसर और निवेशकों के अनुकूल वातावरण यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सोने री धरती वैश्विक मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाए।

दिल्ली में प्रसिद्ध गांधीवादी लक्ष्मी दास की आत्मकथा का हुआ विमोचन

नई दिल्ली, दिसम्बर : प्रसिद्ध गांधीवादी विचारक लक्ष्मी दास द्वारा लिखित आत्मकथा संघर्ष की आपबीती का विमोचन 14 दिसंबर को कॉन्स्टिच्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में प्रकाशक वी एल मीडिया सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित किया गया। यह आयोजन प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, साहित्य प्रेमियों और लक्ष्मी दास के प्रशंसकों को एक साथ लाने वाला एक यादगार अवसर बना। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एच.के. पाटिल, कर्नाटक सरकार के कानून और न्याय तथा संसदीय मामलों के मंत्री ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म विभूषण डॉ. कर्ण सिंह थे। मंगत राम सिंघल एवं संसद सुधाकर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डा. कर्ण सिंह ने कहा कि सयह पुस्तक लक्ष्मी दास के जीवन का सत्य है जो उनकी गांधीवादी तरीके से लिखी गई है। डा. एचके पाटिल ने कहा कि सत्य लिखना बहुत कठिन होता है परंतु लक्ष्मी दास जी ने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अपने मार्मिक संबोधन में, लक्ष्मी दास ने पुस्तक लेखन की अपनी यात्रा और जीवन को आकार देने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं को साझा किया। एक समर्पित गांधीवादी के रूप में, उन्होंने आचार्य विनोबा भावे और अन्य महान विचारकों से प्रेरणा ली।

सदन के माध्यम से होता है जन समस्याओं का समाधान : सीएम योगी

लखनऊ, दिसंबर : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार से शीतकालीन सत्र की शुरूआत हो रही है। इसके लिए रविवार को सर्व दलीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन के कुशल संचालन के लिए सभी रजनीतिक दलों से मांगा सहयोग मांगते हुए कहा कि सदन में सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की मौजूदगी में हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है। हम सभी जनप्रतिनिधि हैं, हमें जनता के मुद्दों, उनकी समस्याओं को लेकर सदन में सुचारू रूप से चर्चा करनी चाहिए और इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा ने सदन के कुशल संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि सदन सार्थक चर्चा का माध्यम होता है। इससे ही प्रदेश के विकास कार्यों को रफ्तार मिलती है। साथ ही समस्याओं का समाधान होता है। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो, सभी को इसका ध्यान रखना चाहिए। सदन को ज्यादा से ज्यादा समय तक संचालित किया जाए, इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी है।

दिल्ली में पारा 4.9 डिग्री सेल्सियस पर लुढ़का, वायु गुणवत्ता खराब रही

दिल्ली। में रविवार को न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया लेकिन अभी तक शीत लहर की स्थिति नहीं बनी। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार शीत लहर की कोई स्थिति नहीं बनी। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो रात्रि के सामान्य तापमान से 3.1 डिग्री कम था। इससे पहले शनिवार को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। आईएमडी ने बताया कि रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम था। साथ ही आर्द्रता का स्तर 91 से 45 प्रतिशत के बीच रहा। आईएमडी ने सोमवार को मध्यम कोहरे का अनुमान जताया है तथा अधिकतमतापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस बीच दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम चार बजे 294 दर्ज किया गया जो खराब श्रेणी में आता है। तय मानकों के मुताबिक शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को ह्यसंतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बेहद खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है।

माया‌वती ने 'एक देश एक चुनाव' विधेयक के समर्थन का किया ऐलान

लखनऊ, दिसंबर : बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने भाजपा सरकार की तरफ से संसद में लाए जाने वाले 'एक देश एक चुनाव' बिल के कदम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी दलों को इस पर एक मत होना चाहिए। मायावती ने कहा कि कोई राजनीतिक स्वार्थ में संविधान की प्रति माथे पर लगा रहा है और कोई इसे अपने हाथ में लेकर दिखाने में लगा है। अब तो इसकी आड़ में देश व जनहित के जरुरी मुद्दे भी दरकिनार कर दिया जा रहे हैं। संविधान का राजनीतिककरण किया जा रहा है, जो बिल्कुल भी सही नहीं है। मायावती ने संविधान के मुद्दे पर कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया. कहा कि भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर तो अपने देश में पहली बनी कांग्रेसी सरकार में ही भांप गए थे कि केंद्र व राज्यों में सत्ता, जातिवादी व संकीर्ण मानसिकता रखने वाले लोगों के हाथों में रहते हुए यहां सदियों से उपेक्षित रहे एससी, एसटी और ओबीसी वर्गो के लोगों को केंद्र में पहले बने कानून मंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने खुद होते हुए भी यह देखा है। इससे चिंतित होकर उन्होंने उस समय के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को अपने इस पद से इस्तीफा भी दे दिया था। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि उस समय की कांग्रेसी सरकार ने इस्तीफा देने के कारणों के बारे में इनको संसद में बोलने तक नहीं दिया था और तब फिर उनको मजबूरी में इस संदर्भ में अपनी बात मीडिया में ही रखनी पड़ी थी। संविधान पर कांग्रेस का असली चेहरा खुलकर सामने आ गया था। लगभग यही स्थिति संसद में मेरे साथ भी गुजरी है जब मुझे अपने लोगों के उत्पीड़न के विरुद्ध राज्यसभा में बोलने नहीं दिया गया था तब फिर मजबूरी में मुझे उस समय राज्यसभा से इस्तीफा भी देना पड़ गया था। डॉ आंबेडकर के निधन के बाद भी केंद्र में काफी वर्षों तक कांग्रेस की ही सरकार रही, लेकिन हर मामले में भारत रत्न की उपाधि के पात्र रहे डॉ. आंबेडकर को इस उपाधि से सम्मानित नहीं किया गया था। बीएसपी अध्यक्ष मायावती ने कहा कि गरीबों की पार्टी होने के नाते एक देश एक चुनाव को लेकर भाजपा सरकार की तरफ से ले जाने वाले संबंधित विधेयक का भी स्वागत करती है। इस मुद्दे पर सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देश व आम जनहित में कार्य करना बेहतर होगा। एक साथ चुनाव होने से खर्चा बहुत कम हो जाएगा। आम जनता पर इसका बोझ नहीं पड़ेगा। जल्दी-जल्दी चुनाव आचार संहिता लगने की भी नौबत नहीं आएगी, जिससे जनहित के कार्य रुकने नहीं पाएंगे। बहुजन समाज पार्टी का मानना है कि इस मुद्दे की आड़ में कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं है। सभी पार्टियों को आम जनहित में इस बिल का समर्थन करना चाहिए।

भाजपा और आम आदमी गरीबों की मुश्किलें कम करने की बजाय घड़ियाली आंसू बहा रहे है : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, दिसम्बर : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली की झुग्गी बस्तियां और झुग्गी झौपड़ियों में मौलिक सुविधाएं देने वाली कांग्रेस पार्टी ने इन्हें पक्के मकान, स्थाई प्लॉट देकर और जहां झुग्गी वहीं मकान पॉलिसी के तहत दिल्ली में हजारों फ्लैट बनाने की शुरू करके इनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने और जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए जो 15 वर्षों के शासन में अभूतपूर्व काम किए थे जबकि आम आदमी पार्टी ने अपने 11 वर्षों के शासन में दिल्ली की झुग्गी झौपड़ियों के कल्याण और विकास के लिए काम नही किया और भाजपा के साथ मिलकर दिल्ली से हजारों झुग्गियों को उजाड़ने में बराबर की भूमिका निभाई है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि मुफ्त पानी बिजली की रेवड़ियों की बात करने वाले केजरीवाल चुनाव प्रचार में लोगों को भ्रमित करने की भरपूर कोशिश कर रहे है, जबकि केजरीवाल सरकार के झूठे वादे और सच्चाई का सामना झुग्गीवासी पानी और बिजली के हजारों के बिलों को भर कर भुगत रहे है। एक छोटे से कमरे वाली झुग्गी का बिजली का 8000 रुपए बिजली का कहां की नैतिकता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा द्वारा झुग्गियों में प्रवास का नाटक पूरी तरह चुनावी राजनीति से प्रेरित है। क्या भाजपा झुग्गीवालों की सबसे बड़ी परेशानी जो मानसून और बारिश के समय होती है, मानसून में हर जगह सड़कों, नालों, कॉलोनियों में जल भराव को तो सब देखते है लेकिन जो नर्क झुग्गी वाले झेलते है। क्यों भाजपा उन दुखों के दिनों में झुग्गी बस्तियां में प्रवास नही करते है।

अंशिका अग्रवाल ने फ्रूड टेक्नोलॉजी में किया टॉप, अमरोहा का नाम कार रोशन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। कहते हैं कि अगर हौसला और जुनून दिल में हो तो सफलता कदम चूमती है। अगर मौका मिले तो बेटियां भी किसी से कम नहीं वे लोग जो बेटियों को बोझ समझते हैं उनके लिए एक सबक है और प्रेरणा भी है ये काम अमरोहा की रहने वाली अंशिका अग्रवाल ने साबित कर दिया। रविवार को अंशिका अग्रवाल को बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में फूड टेक्नोलॉजी में टॉप करने पर गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल मिलने पर अंशिका अग्रवाल के परिजनों और रिश्तेदारों और दोस्तों में खुशी का माहौल है। बधाईयां देने वालो का तांता लगा हुआ है। अमरोहा के मोहल्ला कटरा के रहने वाले अंशिका अग्रवाल के पिता शलभ अग्रवाल और मां ? बर्तिका अग्रवाल ने बताया अंशिका तीन बहन भाई में सबसे बड़ी है। अंशिका अग्रवाल ने सेंट मैरी दाऊ सराय से इंटर पास किया और दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीएससी फूड टेक्नोलॉजी की पढ़ाई की । उसके बाद 2022 में बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया यहां 2024 में एमएससी फूड टेक्नोलॉजी बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में टॉप करने पर 15 दिसंबर रविवार को ?2024 इंडिया बिगेस्ट सीड्स कंपनी के ओनर प्रभाकर राव के द्वारा उन्हें गोल्ड मेडल मिला। अंशिका अग्रवाल इस समय इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट में जॉब कर रही है। पिता शलभ अग्रवाल और मां वर्तिका अग्रवाल ने अपनी बेटी की जीत को पूरे देश के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनकी यह जीत केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं बल्कि उन सभी युवाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत है जो बड़े सपने देखते हैं उन्होंने कहा कड़ी मेहनत से यदि आप अपने लक्ष्य के पीछे दौड़ते हैं तो एक दिन सफलता आपके कदम अवश्य चूमेगी।

मोबाइल टावर के विरोध में मोहल्ले वासियों ने किया विरोध प्रदर्शन, काम रुका

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को नगर के एक मोहल्ले में मोबाइल टावर स्थापित किए जाने का विरोध करते हुए मोहल्ले वासियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया जिसके चलते टावर स्थापना का काम रोक दिया गया बता ते चलें कि नगर के मोहल्ला होली वाला स्थित पुर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अख्तर के कैंप कार्यालय एवं राजवंशी जी वाली गली के बीच नगर की घनी आबादी में लगने वाले मोबाइल टावर का मोहल्ले वासियों ने विरोध किया। अधिवक्ता कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि उनके घर की दीवार से सटाकर एक प्लॉट में टावर लगाया जा रहा है। साथ ही नगर पालिका द्वारा उसकी एनओसी भी नहीं दी गई है। वहीं मामले शिकायत उप जिलाधिकारी सुनीता सिंह से भी की गई है। अधिवक्ता कपिल देव ने बताया कि मोबाइल टावर से निकलने वाली रेडिएशन एवं तरंगों से कैंसर, हार्ट अटैक तथा हृदय रोगों समेत अन्य जानलेवा एवं गंभीर बीमारियां पैदा होती हैं। इसी के साथ ही आबादी के बीच टावर पर होने वाली बरसात से नजदीकी घरों की टंकियां तथा हेड पंपों में विद्युत करंट प्रवाह हो जाता है जिससे जनहानि भी हो सकती है। और टावर को आबादी के बीच लगाने का कोई प्रावधान नहीं है। वहीं मोहल्ले वासियों के विरोध के सामने टावर कंपनी को झुकना पड़ गया। जहां अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने कार्य को रुकवा दिया। इस दौरान प्रदर्शन करने वालों में कपिल देव अग्रवाल एडवोकेट, शिक्षक राकेश शर्मा, अभिषेक गुप्ता, वीरेश शर्मा, अनुराग गुप्ता, अनुज कुमार शर्मा, अतुल कुमार गुप्ता, सरिता त्यागी, चमन कुमार, राजा सैनी, संजय रावत, सोनम गुप्ता, सीमा अग्रवाल, कमल कुमार, विशाल चौधरी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भारतीय किसान संघ के अधिक सदस्य बनाए जाने पर अमरोहा जिला इकाई हुई सम्मानित

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/लखनऊ। लखनऊ में भारतीय किसान संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक में जनपद अमरोहा में भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष की टीम द्वारा अमरोहा जिले में सर्वाधिक सदस्य भारतीय किसान संघ के बनाए जाने पर प्रदेश अध्यक्ष द्वारा अमरोहा जिला इकाई को सम्मानित किया गया, बता ते चले कि गत दिनों भारतीय किसान संघ की प्रदेश स्तर पर सदस्यता अभियान चलाई गई थी जिसमें अमरोहा में भी सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा वह जिला मंत्री आलोक चौहान को भारतीय किसान संघ की जिला इकाई के प्रतिनिधि के रूप में सर्वाधिक सदस्य बनाए जाने पर सम्मानित किया गया, बता ते चलें कि भारतीय किसान संघ के प्रदेश स्तर पर हुए एक कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने अमरोहा जिले में रिकॉर्ड सदस्य बनाए जाने पर पूरे जिले की इकाई को बधाई देते हुए इकाई की ओर से पहुंचे जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा जिला मंत्री आलोक चौहान को प्रतीक चिन्ह प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया इस मौके पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी व प्रदेश संगठन मंत्री शिवाकांत दीक्षित आदि सहित बड़ी संख्या में प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे।

फ्रांस के राजदूत डॉ.थियरी माथू ने सीएम योगी से की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ,16 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को फ्रांस के राजदूत डॉ.थियरी माथू ने मुलाकात की। उनके साथ फ्रांस का प्रतिनिधिमंडल भी रहा। मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल की प्रदेश में डिफेंस,फार्मा व शिक्षा सेक्टर में एमओयू व निवेश को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप्र में निवेश के लिए हर मदद का आश्वासन दिया।

सीएम ने एनसीआर और बुंदेलखंड में निवेश के लिए किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री ने फ्रांसीसी कंपनियों को एनसीआर, बुंदेलखंड के साथ ही रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधि मंडल ने भारत की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की 60 फीसदी युवा शक्ति के लिए निवेश को लेकर उत्साह दिखाया।

व्यापारिक व सांस्कृतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करने की जताई इच्छा

माथू ने उत्तर प्रदेश व फ्रांस के बीच व्यापारिक-सांस्कृतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की इच्छा जताई। प्रतिनिधिमंडल ने आईटी कॉरिडोर, स्मार्ट सिटीज व सांस्कृतिक उन्नयन को लेकर भी उत्तर प्रदेश के साथ काम करने को लेकर रुचि दिखाई।

शिक्षा, संस्कृति और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

बैठक में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, निवेश बढ़ाने, नवीकरणीय ऊर्जा और उत्तर प्रदेश में फ्रांसीसी कंपनियों की उपस्थिति के विस्तार पर भी चर्चा हुई। माथू ने भारत की प्राचीन संस्कृति और इतिहास के को लेकर फ्रांस में हो रहे अध्ययनों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी स्थित संपूणानंद विश्वविद्यालय में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के महत्व को रेखांकित किया। दोनों पक्षों ने शिक्षा, संस्कृति और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग, जेवर हवाई अड्डे पर एमआरओ (मेंटिनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) हब की स्थापना और बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट अथॉरिटी (BIDA) के फार्मा पार्क में निवेश के अवसरों पर भी बल दिया।

वेदांता ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढवारसी में एनुअल स्पोर्ट्स मीट 2024 का हुआ समापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ढवारसी। सोमवार को क्षेत्र के प्रगतिशील विद्यालय वेदांता ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढवारसी में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद एनुअल स्पोर्ट्स मीट 2024 का समापन बड़े ही धूमधाम के साथ हुआ इस दिन अंडर 14 और अंडर 19 के छात्र-छात्राओं के लिए लॉन्ग जंप, हाई जंप, 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर एवं रिले रेस के साथ-साथ शॉट पुट, डिस्क थ्रो एवं जैवलिन थ्रो की एक्टिविटी कराई गई, सभी कंपटीशन विद्यालय के कुशल खेल प्रशिक्षकों की देखरेख में कराए गए,प्रतियोगिता में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार शर्मा ने विद्यालय के खेल प्रशिक्षकों को खेलों के सफलतापूर्वक समापन पर शुभकामनाएं दी तथा छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत के बल पर हम प्रदेश स्तर पर भी अपने विद्यालय का नाम रोशन कर सकते हैं अतः सभी छात्र-छात्राएं और अधिक परिश्रम करें ताकि हमारे विद्यालय का नाम तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन हो सके, इस मौके पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार शर्मा, विवेक त्यागी, हुकुम सिंह, विक्रांत सिंह, विनीत मावी, अभिषेक सिंघल, तनु चहल, रिचा सिरोही, अंशुल चहल, रश्मि सिंह, माधवी त्यागी, करिश्मा अग्रवाल, अंशु चौधरी आदि शिक्षक शिक्षिकाए मौजूद रहे।

नौगावा में अवैध रूप से चल रही पैथोलॉजी लैब शील

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा। सोमवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर उप जिलाधिकारी नौगांवा सादात द्वारा एक मार्केट में अवैध रूप से चल रही पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण किया गया जिसमें पैथोलॉजी लैब पंजीकृत नहीं पाई गई तथा संचालक द्वारा जरूरी दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए जिस पर संज्ञान लेते हुए उप जिलाधिकारी बृजपाल सिंह ने मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को बुलाकर अवैध रूप से चल रही एम एच पैथोलॉजी लैब को सील कर दिया, इस संबंध में उप जिला अधिकारी बृजपाल सिंह ने बताया कि पैथोलॉजी लैब द्वारा कोई भी संबंधित कागज नहीं दिखाए गए तथा पंजीकरण भी नहीं था जिसको सील कर दिया गया है अब कल स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालक के खिलाफ नौगावा थाना में मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

दो बाइक आपस में टकराई एक युवक घायल, हायर सेंटर रेफर

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दो मोटरसाइकिलो की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया घायल को आनन-फानन सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से गंभीर स्थिति में हायर सेंटर रेफर कर दिया, बता ते चले कि सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के गांव करनखाल निवासी तीरथ पुत्र फूल सिंह नजदीकी गांव लुहारी खादर स्थित कोलू पर कार्य करने के लिए जा रहा था। जहां लुहारी खादर के नजदीक पहुंचते ही सामने से आ रही फुरकान पुत्र अली हसन निवासी गांव बिजोरा की बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार तीरथ गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं सूचना पर पहुंची 112 डायल पुलिस द्वारा घायल को हसनपुर के सीएचसी केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद घायल की गंभीर स्थिति देखते हुए चिकित्सकों ने घायल को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है। उधर टक्कर मारने वाले दूसरे बाइक सवार को राहगीरों ने पकड़ लिया फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

500 वर्ष पुराने मंदिर का अस्तित्व मिटता हुआ दिख रहा

लोकतंत्र की शान संवादाता

लखनऊ। (शिवम मिश्रा) भंवरेश्वर महादेव मंदिर, लखनऊ के डालीगंज क्षेत्र में स्थित कुतुबपुर का एक प्राचीन धरोहर स्थल है। इस मंदिर का इतिहास लगभग 500 वर्ष पुराना है, जो इसे वास्तुकला, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर के लिहाज से अत्यधिक महत्व देता है लेकिन अब इसका कोई ध्यान नहीं इस घनी आबादी के बिच यह ऐतिहासिक मंदिर छुप गया हालांकि, वर्तमान में इस ऐतिहासिक मंदिर का अस्तित्व खतरे में है क्युकी इसके आसपास धीरे धीरे कब्जा होता जा रहा है उपेक्षा, समय के प्रभाव और रखरखाव की कमी के कारण मंदिर धीरे-धीरे अपने पुराने वैभव को खो रहा है। इसे संरक्षित करने और

पुनरुद्धार करने के लिए प्रशासन और स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित करना आवश्यक है की ऐतिहासिकता जरुरत और महत्वपूर्ण प्रश्न यह है की भंवरेश्वर महादेव मंदिर को प्राचीन शिवालयों में गिना जाता है। यहां का शांत और पवित्र वातावरण श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। शिवलिंग की स्थापत्य शैली, पुराने पत्थरों की नक्काशी और परिसर की पारंपरिक संरचना इसे अद्वितीय बनाती है। संरक्षण की आवश्यकता स्थानीय संगठनों और पुरातत्व विभाग को मिलकर इस मंदिर के संरक्षण हेतु कार्य करना चाहिए। मंदिर की मरम्मत और पुनर्स्थापना एक ऐतिहासिक शोध और मंदिर के इतिहास को संरक्षित करने की प्रक्रिया पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देना ऐसे प्रयास न केवल भंवरेश्वर महादेव मंदिर बल्कि आसपास के क्षेत्रों की धरोहरों को भी बचाने में सहायक हो सकते हैं। इसे जन भागीदारी के साथ एक मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करना लखनऊ की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करेगा।

खुन खुन जी गर्ल्स पी. जी. कॉलेज मे दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

लोकतंत्र/देवेंद्र शर्मा

लखनऊ। खुन खुन जी गर्ल्स पी. जी. कॉलेज में आईक्यूएसी एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के सौजन्य से दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार जिसका शीर्षक "अनुसंधान पद्धति में उन्नत परिप्रेक्ष्य, विकसित अवधारणाएं और उभरते दृष्टिकोण"का आयोजन किया गया । सेमिनार के दूसरे दिन का प्रारम्भ प्रो इंदु मजूमदार, पूर्व कुलपति लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर के आशीर्वचन से प्रारंभ हुआ क तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रो. अरुण कुमार शर्मा (आई आई टी कानपुर) ने अपना उदबोधन दिया । प्रो.अरुण कुमार शर्मा ने "शैक्षिक अनुसंधान में वैयक्तिक अध्ययन प्रारूप : मिथक और वास्तविकता" पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इन्होंने वैयक्तिक अध्ययन प्रारूप को आज समाज वैज्ञानिक अध्ययन में शामिल करने की बात की। इन्होंने बताया कि वैयक्तिक अध्ययन प्रारूप के द्वारा किसी भी घटना का अध्ययन करने के लिए उसके संदर्भों को समझना आवश्यक है साथ ही इसके द्वारा विभिन्न चरो का भिन्न-भिन्न समय पर अध्ययन होता है जो अनुसंधान में वास्तविकता लाने का काम करती है। प्रथम सत्र आफलाइन की अध्यक्षता डॉ प्रमोद गुप्ता (समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) सह - अध्यक्षता डॉ सविता सिंह (नेता जी सुभाष चंद्र बोस डिग्री कॉलेज), जे पी सिंह (शिया पीजी कॉलेज) ने की। इस सत्र में 15 से अधिक शोध पत्र पढ़े गए।

विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र मंदिर, दर्शक दीर्घा इसका फर्स्ट इंप्रेशन: सीएम योगी

लखनऊ, 16 दिसंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा की नवीनीकृत दर्शक दीर्घा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने इसे समस्त विधानसभा सदस्यों और प्रदेश की 25 करोड़ जनता को समर्पित करते हुए कहा कि विधानसभा प्रदेश के समस्त नागरिकों के लिए लोकतंत्र का आधार है। यह लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। इस पवित्र मंदिर में जब कोई आए तो उसका फर्स्ट इंप्रेशन यहां की दर्शक दीर्घा के माध्यम से ही पड़े। यह सिर्फ सत्ता पक्ष ही नहीं, बल्कि विपक्ष के लिए भी प्रसन्नता का क्षण होना चाहिए, क्योंकि आप सभी की संस्तुति पर ही दर्शक दीर्घा के सुंदरीकरण का यह कार्यक्रम संपन्न हुआ है। दर्शक दीर्घा के उद्घाटन के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मुख्यमंत्री समेत मंच पर उपस्थित सभी मंत्रियों एवं नेता विपक्ष को मूल संविधान की एक-एक प्रति भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विधानसभा द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का भी विमोचन किया। इन पुस्तकों में देश की आजादी से लेकर अब तक मुख्यमंत्री और नेता विपक्ष की संपूर्ण जानकारी दी गई है।

प्रथम दिवस एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा मंत्र से हुआ दिव्य सत्संग के प्रथम दिवस का आरम्भ

जो अपने रास्ते से भटक गए परमात्मा का महल उनकी आंखों से ओझल हो जाता है : सत्पुरूष बाबा फुलसंदे वाले

लोकतंत्र की शान

मुरादाबाद । एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा मंत्र के दृष्टा ऋषि सत्पुरुष बाबा फुलसंदे वालों ने रॉयल विला बैंकट हॉल में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा राजा को चाहिए वह अपनी पंच प्रजाओं को ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र श्रमिकों को और वनों में रहने वाले निषादों को वेद ज्ञान से युक्त करें, उसके राज्य में कोई एक भी स्त्री पुरुष वेद ज्ञान से रहित ना हो, राज्य एक रथ की तरह होता है और खींचने वाली संपूर्ण प्रजा होती है, जो अपने आप को उस परमात्मा को हमसफर बना लेता है वह अमृत को पाता है उस परमेश्वर की राह में बूरे लोगों का संकट है चाहे वह देवता ही हो जो अपने रास्ते से भटक गए परमात्मा का महल उनकी आंखों से ओझल हो जाता है। सत्पुरूष के साथ-साथ हमेशा परमात्मा का प्रकाश बना रहता है। उन्होने कहा कि संसार में लोगों से मत भिड़ों, अपना मुंह परमेश्वर की तरफ को कर लें दुनिया की तरफ को पीठकर लें जो परिंदा चंद्रमा के मन के साथ साथ चलता है वह अंधकार से भटकता है किंतु जो सूर्य धर्म बुद्धि को अपना साक्षी बना लेता है, वह दुर्गति व अंधकार में गिरने से अवश्य बच जाता है। हेः देव पुत्रों परमेश्वर दुखी व्यक्ति की पुकार को सुनता है, हेः परमेश्वर की राह में चलने वालों क्या तुमने इस धरती पर स्वर्ग के फूलों को खिलते हुए देखा है वह फूल तुम ही हो तुम जो रात दिन परमेश्वर की आराधना में लगे हो सत्पुरुष साधारण मनुष्य को भी ईश्वर के मंत्र से अभिर्यंत्रित करके उसे दिव्य और स्वर्ग के फूल बना देते हैं, किंतु पीछे-पीछे पाप की आत्मा उन फूलों को झटकती और सूखाती फिरती है तुम उनसे सावधान रहना वह कहती है इतने फूल मैंने झटक के सुखा दिए इतनी कलियां और हैं इन्हें सुखाने में क्या देर लगती है। उन्होने कहा कि पर तुम घबराना मत परमेश्वर ने चमन लगाया है वह उसकी रक्षा भी करना जानता है। उसका अटल छत्र सदा तुम्हारे सिर पर छाया करता है अतः तुम घबराना मत तुम उदास और निराश मत होना परमेश्वर तुम्हारे साथ है स्वर्ग की आत्माओं पुष्प आत्माओं के लिए स्वर्ग के फूल हैं और पाप आत्माओं के लिए नरक की भयानक दुर्गंध युक्त हवा और बाबुला भवसागर के किनारे को पार करते समय आत्माओं को दुख सुख से गुजरना पड़ता है जो संसार में संत कर्म करते हैं उनके हाथों में फूल होते हैं और अपनी मृत्यु के बाद वह ईश्वर स्तुति के गीत गाते हुए परमेश्वर के देव दूतो के साथ-साथ परमेश्वर के प्रकाशित महल में प्रवेश करते हैं और दुष्ट आत्मा वाले कांटों में पीछे लहूलुहान हुए नरक के अंधकार और बेचैनी में पड़े सर पटकते हैं मनुष्य की आत्मा परमेश्वर के दरबार से जाती है और उसी के पास मृत्यु के बाद वापस चली जाती है। एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा बाबा फुलसंदे वालों के प्रवचनों के उपरांत निरंकार परमेश्वर व सच्चे गुरु की आरती हुई।

महाकुम्भ की यादगार निशानी का माध्यम बनेगा एआई चैटबॉट

महाकुम्भनगर, 16 दिसंबर। आप दुनिया के किसी कोने में हों, महाकुम्भ की यादगार निशानी पुरस्कार के तौर पर पा सकते हैं। यह सुविधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डिजिटल महाकुम्भ के विजन के जरिए पूरी दुनिया को मिलने जा रही है। महाकुम्भ में अपनी तरह के पहले अभिनव प्रयोग के रूप में एआई जेनरेटिव चैटबॉट की हाईटेक टेक्नोलॉजी के जरिए किया जा रहा है। इसमें क्यूआर स्कैन करते ही अपनी फोटो सहित महाकुम्भ का प्रमाण पत्र मिलेगा, जिसे प्रिंटेड कॉपी के तौर पर सहेज कर रख भी सकते हैं। सबसे जरूरी बात ये है कि महाकुम्भ के हर इवेंट और हर मेगा प्रोग्राम की पूरी डिटेल इसी एआई चैटबॉट पर मौजूद रहेगी।

मोदी, योगी का सपना हो रहा साकार, विभागों के समन्वय से ले रहा आकार

पीएम के डिजिटल महाकुम्भ के विजन को पूरा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर महाकुम्भ को दिव्य, नव्य और भव्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारी की जा रही है। पर्यटन विभाग के साथ साथ मेला के अधिकारी और महाकुम्भनगर की पुलिस मिलकर पीएम मोदी और सीएम योगी के डिजिटल महाकुम्भ के विजन पर आगे बढ़कर काम कर रही है।

2017 से सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक आई कमी: मुख्यमंत्री

लखनऊ, 16 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अपनी बातें रखते हुए विपक्ष को आईना दिखाया। मुख्यमंत्री ने एनसीआरबी डेटा के आंकड़ों के मुताबिक बताया कि 2017 से लेकर अब तक प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक की कमी आई है। 2017 से अब तक यूपी में दंगे नहीं हुए हैं, जबकि 2012 से 2017 (सपा कार्यकाल) तक प्रदेश में 815 सांप्रदायिक दंगे और 192 लोगों की मौत हुई। 2007 से 2011 के बीच 616 सांप्रदायिक घटनाएं हुईं, इसमें 121 लोगों की मौत हुई।

तथ्यों को छिपाकर कब तक जनता को गुमराह करेंगे, जयश्रीराम सांप्रदायिक संबोधन नहीं

सीएम योगी ने कहाकि आखिर तथ्यों को छिपाकर कब तक जनता को गुमराह करेंगे। संभल में माननीय न्यायालय के आदेश पर सर्वे हो रहा था। जयश्रीराम सांप्रदायिक संबोधन नहीं है। राम के बिना हमारा कोई काम ही नहीं है। यदि जयश्रीराम बोलने पर उत्तेजना से नीयत सभी लोग समझ सकते हैं।

कुंदरकी की जीत को वोट की लूट कहना सदस्य का अपमान

सीएम ने कहा कि कुंदरकी की जीत वोट की लूट कहना सदस्य का अपमान है। वहां सपा के प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई। आज डिजिटल मीडिया का समय है। वहां का पठान और शेख कह रहा है कि हमारे पूर्वज हिंदू थे। आपके पूर्वज भी हिंदू थे। यह देशी-विदेशी मुसलमानों की आपसी भिड़ंत है, जो वर्चस्व की लड़ाई को लेकर चल रही है। सपा पर हमलावर योगी ने कहा कि सच पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सूर्य, चांद और सत्य को बहुत देर तक कोई छिपा नहीं सकता, सत्य जल्द सामने आएगा।

हरियाणा

महिला एवं बाल विकास मंत्री आज करेंगी 17 मामलों की सुनवाई

श्रुति चौधरी

चंडीगढ़, दिसंबर : हरियाणा की महिला एवं बाल विकास एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी आज 16 दिसंबर को फतेहाबाद में जिला लोक संपर्क एवं जनपरिवाद समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगी। इस बैठक में कुल 17 परिवाद रखे जाएंगे। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में 3 परिवाद वो भी शामिल हैं, जो पिछली बैठक में लंबित रहे गए थे। इसके अलावा 14 परिवाद नए रखे गए हैं।

19 दिसंबर को यमुनानगर में होगी कष्ट निवारण समिति की बैठक

कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़, दिसंबर : हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति यमुनानगर की मासिक बैठक 19 दिसंबर सुबह 11 बजे जिला सचिवालय के सभागार में होगी। इसमें जिले के सभी विभागाध्यक्ष और जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति के सभी गैर सरकारी सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

प्राथमिक शिक्षक संघ के राज्य संयोजक सुनील बास का आकस्मिक निधन, शिक्षकों में शोक की लहर

सुनील बास

चंडीगढ़, दिसंबर : राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा के राज्य संयोजक सुनील बास का अचानक शनिवार-रविवार मध्यरात्रि आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की वजह ह्दय गति रूकना बताया जा रहा है। पर सुनील बास की मौत से परिवार और संगठन को गहरा आघात पहुंचा है। खासकर शिक्षकों के बीच शोक की लहर है। रविवार सुबह से ही सोशल मीडिया पर उनके निधन की खबर आने के बाद से सभी ने उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। दरअसल, सुनील बास एक बेहतर शिक्षक ही नहीं बल्कि परिवार और संगठन के कर्मठ, जुझारू, मिलनसार, हंसमुख और संवेदनशील सिपाही भी थे। उन्होंने हमेशा परिवार और संगठन के बीच सबसे आगे रहकर अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निवर्हन किया है। खासकर शिक्षकों की आवाज को भी हमेशा विभिन्न माध्यमों के जरिए बुलंद करने का काम किया है। यही वजह है कि राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा में तीन बार महासचिव की भूमिका में रह चुके सुनील बास को इस बार संगठन ने राज्य संयोजक के पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। संघ के राज्य प्रधान तरुण सुहाग का कहना है कि सुनील बास की मौत से संगठन को गहरा आघात पहुंचा है। उनकी कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। संगठन ने सुनील बास के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है और संगठन सुनील बास के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। सुनील बास अपने पीछे शिक्षिका पत्नी, बेटी और बेटे को छोड़ गए हैं।

पुलिस अधिकारी तथा जांच अधिकारी तीनों नए कानूनों से पूरी तरह परिचित रहें तथा वैज्ञानिक तरीके से जांच करें : एसपी

एसपी पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए।

सिरसा, दिसंबर : बीती 1 जुलाई 2024 को देशभर में लागू किए गए तीन नए कानूनों के बारे में सभी पुलिस अधिकारी तथा फील्ड अफसर परिचित रहे तथा जांच के दौरान वैज्ञानिक तरीका अपनाएं ताकि गुनाह करने वाला व्यक्ति किसी भी तरह साक्ष्य के अभाव में सजा से न बच पाए। उक्त निर्देश पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने रविवार को जिला पुलिस द्वारा बरनाला रोड स्थित पुलिस लाइन के प्रशासनिक भवन में जिला पुलिस के अधिकारियों तथा जांच अधिकारियों को संबोधित करते हुए दिए। तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 तथा ई साक्ष्य एप्प के बारे में जिला के पुलिस अधिकारियों तथा जांच अधिकारियों को पूरी तरह प्रशिक्षित करने के लिए एक दिन की वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जब भी कोई आपराधिक वारदात की घटना होती है तो जांच अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे तथा तीन नए कानूनों का गहनता से अध्ययन करते हुए जांच को वैज्ञानिक तरीके से आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर जिला अदालत से आए हुए न्यायिक अधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों को तीनों नए कानूनों की बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को कहा कि जांच के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किया जाए तथा बेहतर ढंग से केस की पैरवी भी करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्कशॉप आयोजित करने का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों तथा फील्ड अफसरों को तीनों नए कानूनों के बारे में पूरी तरह से जानकारी उपलब्ध कराना है ताकि वे बेहतर तरीके से जांच कर सके। इस वर्कशॉप में एएसपी उतम पहल, विभिन्न थाना प्रभारी, क्राइम यूनिट के प्रभारी तथा जांच अधिकारी उपस्थित रहे।

17 व 18 को करवाई जाएगी चयन परीक्षा की तैयारी

ओढां, दिसंबर : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में सत्र 2025-26 में कक्षा छठी में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 18 जनवरी 2025 को होनी है। इस प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र मिलने शुरू हो गए है। विद्यार्थी अपने नजदीकी अटल सेवा केंद्र या अपने स्कूल से भी यह प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय के प्राचार्य ललित कालड़ा ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा इस परीक्षा हेतु बच्चों को तैयारी करवाने के संदर्भ में दो दिन नवोदय विद्यालय ओढां में विद्यालय के अनुभवी शिक्षकों द्वारा चयन परीक्षा में पिछले वर्षों मे आए प्रश्नों के संदर्भ में जानकारी दी जाएगी और उनकी तैयारी भी करवाई जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि 17 दिसंबर को सिरसा, बडागुढा, ओढां तथा डबवाली खंड के छात्र-छात्राओं को और 18 दिसंबर को रानियां, ऐलनाबाद तथा चोपटा खंड के छात्र-छात्राओं को परीक्षा बारे जानकारी दी जाएगी। इस प्रवेश परीक्षा हेतु जिन छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। वो सभी अपने अभिभावक के साथ जवाहर नवोदय विद्यालय ओढां में 17 और 18 दिसंबर को सुबह 10 बजे तक रिपोर्ट करें।

डबवाली अग्निकांड की 29वीं बरसी 23 को

डबवाली, दिसंबर: डबवाली अग्निकांड की 29वीं बरसी पर अग्निकांड स्मारक पर 23 दिसंबर को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर हादसे में काल का ग्रास बने 442 लोगों की आत्मिक शांति हेतु श्री सुखमनी साहब के पाठ का भोग व हवन यज्ञ करवाया जाएगा। इस अवसर पर स्मारक में नाक, कान, गला, हड्डियों व नेत्र जांच का विशाल मेडिकल शिविर लगाया जाएगा। जिसमें उक्त बीमारियों के माहिर डॉक्टरों द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी। जबकि परंपरा के मुताबिक हादसे वाले वक्त बाद दोपहर 1:47 बजे दो मिनट का मौन रखा जाएगा। डबवाली फायर विक्टिम मेमोरियल ट्रस्ट के महासचिव विनोद बंसल ने बताया कि आज स्मारक पर ट्रस्ट अध्यक्ष रमेश सचदेवा की अध्यक्षता में पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें बरसी कार्यक्रम के तैयारियों के प्रति विचार-चर्चा हुई।

डीजीपी की अध्यक्षता में तीन नए कानून को लागू करने, हिंसक अपराध नियंत्रण, नशा मुक्त अभियान पर बैठक आयोजित

हरियाणा में प्रतिबंधित दवाओं की ब्रिकी करने वाले फॉर्मासिस्टों पर होगी कार्रवाई : शत्रुजीत कपूर

बोले, नए कानूनों को लागू करने में हरियाणा को मॉडल बनाने को लेकर विस्तार से की गई चर्चा, 28 फरवरी का रखा लक्ष्य

- डीजीपी ने अपराधियों और नशा बेचने वालों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

डीजीपी तीन नए कानून को लागू करने, हिंसक अपराध नियंत्रण, नशा मुक्त अभियान पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

चंडीगढ़, दिसंबर : हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने तीन नए कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करने, हिंसक अपराध नियंत्रण और नशा मुक्ति को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेशभर के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया। नशामुक्ति को लेकर प्रदेश में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाना हरियाणा पुलिस की बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। हालांकि प्रदेश में नशामुक्ति को लेकर सराहनीय कार्य किया जा रहा है। लेकिन इसे पूर्णतया नशामुक्त करने के लिए अधिक योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गांवों अथवा वार्डों को नशामुक्त करना जरूरी है कि लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ इसकी तस्करी करने वाले लोगों पर शिकंजा कसा जाए। पुलिस अधीक्षक नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्ती करें। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि वे प्रतिबंधित दवाइयां की बिक्री करने वाले फार्मासिस्ट के खिलाफ नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए काम करें। पुलिस अधीक्षक दवा विक्रेताओं के साथ बैठके करें और उन्हें इस बारे में कानूनी प्रावधानों की जानकारी दें। पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में युवाओं और बच्चों से बातचीत करें। वे अपने क्षेत्र में नशा बिकने न दें और जो लोग नशे की गिरफ्त में आ गए हैं, उनकी काउंसलिंग करवाए। ओपीडी या जिलास्तर पर स्थापित किए गए नशा मुक्ति केंद्रों में उनका इलाज करवाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि एसएचओ और डीएसपी गांवों में विजिट करते रहे और चौपाल में लोगों से बातचीत करें, इससे उन्हें काफी महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी और कई मुद्दों के बारे में पता लगेगा, जिससे उन्हें अपने क्षेत्र को नशामुक्त करने में सुविधा होगी।

तीन नए कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करने पर हुई चर्चा

बैठक में कपूर ने तीन नए कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करने को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा नए कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए हरियाणा को एक मॉडल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित लक्ष्य अनुसार 28 फरवरी तक इन कानूनों को हरियाणा में पूरी तरह से लागू करना है। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को इसे लागू करने के लिए इस्तेमाल होने वाली ई-साक्ष्य एप्प व इसके इस्तेमाल करने बारे में विस्तार से बताया गया। ई-साक्ष्य एक बहुत अच्छी एप्प है, जिसके माध्यम से नए कानून में निहित प्रावधानों को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है। उन्होंने बैठक में केस डायरी माड्यूल, और चांस रिकवरी व प्लेनड रिकवरी की वीडियोग्राफी बारे भी बताया। नए कानून से न्याय प्रणाली सुदृढ़ बनेगी और लोगों को त्वरित न्याय मिलेगा। नए कानूनों को लागू करने के लिए सभी प्रकार के रिसोर्सेज हरियाणा पुलिस के पास उपलब्ध हैं। भविष्य में आवश्यकता अनुसार अधिक रिसोर्सेस उपलब्ध करवाए जाएंगे। बैठक में कपूर ने अपराध नियंत्रण को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पुनः दोहराया कि अपराध नियंत्रण के लिए जरूरी है कि उसके घटित होने से पहले ही आवश्यक प्रबंध किए जाए। उन्होंने साफतौर पर कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्ती करनी है और उन पर कड़ी कार्रवाई करनी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को नहीं है। बैठक में अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले नए तौर तरीकों से निपटने को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक में हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक ओपी सिंह, पंचकूला पुलिस आयुक्त राकेश आर्य, एसपी निकिता गहलोत, एआईजी एडमिन हिमांशु गर्ग, एआईजी प्रोविजनिंग कमलदीप गोयल सहित कई अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

चौ. दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम के रख-रखाव के लिए कुमारी सैलजा ने लिखा केंद्रीय खेल मंत्री को पत्र

स्टेडियम की खस्ता हालत पर कुमारी सैलजा ने जताई चिंता, कहा अनदेखी के कारण खिलाड़ियों को नहीं मिल पा रही सुविधाएं

चंडीगढ़, दिसंबर : सिरसा में डबवाली रोड पर स्थित चौ. दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम में अव्यवस्थाओं को लेकर सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को पत्र लिख कर इस स्टेडियम के बेहतर रखरखाव के लिए मांग की है।

उन्होंने पत्र के माध्यम ये केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री को बताया कि सिरसा में डबवाली रोड़ पर स्थित चौ. दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम की दशा दयनीय हो चुकी है। इस स्टेडियम का निर्माण केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार व सिरसा की जनता की सहभागिता से 5 जून 1993 को शुरू हुआ था और 1996 में इसका उद्घाटन हुआ था।

यह हरियाणा के इंडोर स्टेडियमों में सबसे बड़ा स्टेडियम है। इसमें कई बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भी हो चुकी है। इंडोर स्टेडियम में कुश्ती, जिमनास्टिक, टेबल टैनिस, बैडमिंटन बॉक्सिंग सहित इंडोर की खेलें होती रही है। परंतु अब पिछले काफी समय चौ. दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम के रख-रखाव में अनदेखी हो रही है, जिसके चलते खिलाड़ियों को अभ्यास करने व प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए यह स्टेडियम योग्य नहीं है। सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मांग की है कि खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं कि इस स्टेडियम का रख-रखाव बेहतर तरीके से करना सुनिश्चित करे। ताकि खिलाड़ियों को इंडोर स्टेडियम से संबंधित खेलों की उचित सुविधाएं मिल सकें। बता दें कि चौ. दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम में यहां खेल उपकरण धूल फांक रहे हैं तो खेल मैदान विरान हो चुके हैं। कभी इस स्टेडियम में खिलाड़ियों का जमावड़ा लगता था। अब धीरे-धीरे खिलाड़ियों की संख्या कम होती जा रही है। स्टेडियम की व्यवस्थाओं को सही तरीके से देखभाल करने में खेल विभाग की दिलचस्पी कम ही दिख रही है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए आए खेल उपकरण खेलों के लिए इस्तेमाल न करके यहां कबाड़ की भांति रख दिए गए हैं। सफाई व्यवस्था का भी जनाजा निकल चुका है। खेल विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के कारण खेलों का वातावरण नहीं बन पा रहा है। अब स्थिति ऐसी हो गई है कि खेल मैदान वीरान हो चुके हैं। हैंडबॉल व बास्केटबॉल के कोर्ट नाम के ही शेष रह गए हैं। सफाई व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है। खेल उपकरणों पर धूल चढ़ी पड़ी है। खेल उपकरण न तो गांवों के स्टेडियमों में भेजे गए हैं और न ही इन्हें स्टोर में रखा गया है। चौ. दलबीर सिंह स्टेडियम मंडी से सटा होने के कारण दिन भर धूल उड़ती रहती है। जिससे खिलाड़ियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

गुरुग्राम विवि में कश्मीर पीस लवर्स की ओर से आयोजित सांस्कृतिक संध्या आयोजित

देश का मुकुट है कश्मीर, इसकी शांति के लिए प्रयासरत लोगों को प्रणाम: बंडारू दत्तात्रेय

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में कश्मीर पीस लवर्स संस्था की ओर से आयोजित सांस्कृतिक संध्या में हरियाणा के राज्यपाल गणमान्य लोगों के साथ उपस्थित रहे।

चंडीगढ़, दिसंबर : गुरुग्राम सैक्टर-51 स्थित गुरुग्राम विश्वविद्यालय में कश्मीर पीस लवर्स की ओर से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का मुकुट है और शांति का प्रतीक है। आगे भी यह शांति अमन बना रहना चाहिए, इसके लिए प्रयासरत लोगों को वह प्रणाम करते हैं। कार्यक्रम में आकर कश्मीर की एक सुखद तस्वीर सामने दिखाई दे रही है। इस दौरान कश्मीर की शांति के लिए प्रयासरत लोगों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। समारोह में अवार्ड प्राप्त करने वाले ऐसे सभी महानुभावों को वह विशेषतौर पर बधाई देते हैं, जो कश्मीर पीस लवर्स के इस मंच पर सम्मानित हुए हैं। राज्यपाल ने अपनी कश्मीर यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि वहां बहुत प्राचीन मंदिर हैं। वहां के लोगों ने ऐसी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेज रखा है। यह बहुत हर्ष का विषय है।

संस्था का उद्देश्य हमारी संस्कृति को प्रस्तुत कर आगे बढ़ाना

सीएम के ओएसडी डॉ. राज नेहरू ने कहा कि कश्मीर पीस लवर्स संस्था का उद्देश्य हमारी संस्कृति को प्रस्तुत कर आगे बढ़ाना है। महामहिम के साथ उन्हें कश्मीर यात्रा का मौका मिला। इस दौरान विभिन्न प्राचीन मंदिरों के दर्शन किए। सरकार भी ऐसी सांस्कृतिक विरासत के विकास में सहयोग कर रही है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कश्मीर की शांति के लिए काम कर चुके विभिन्न पुरोधाओं को याद किया। ऐसे लोगों की याद में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई। सूर्या गंजू ने गिटार वादन किया। कार्यक्रम में डॉ. राज नेहरू ओएसडी सीएम, गुरुग्राम विवि के प्रो. दिनेश कुमार समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मनोहर करेंगे युवाओं से संवाद, कौशल व आत्मनिर्भरता का देंगे मंत्र

- एमडीयू रोहतक में 21 दिसंबर को आयोजित होगा युवा गौरवशाली समारोह
- युवा गौरवशाली समारोह में युवा संविधान के सम्मान और स्वाभिमान को अपने जीवन में आत्मसात करने का लेंगे संकल्प

चंडीगढ़, दिसंबर : युवा शक्ति विकसित भारत का आधार है। इसी आधार को मजबूत करने के लिए केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल युवाओं से सीधा संवाद करेंगे। मनोहर लाल न केवल युवाओं स संवाद करेंगे, बल्कि उन्हें कौशल और आत्मनिर्भरता का मंत्र देंगे। रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में 21 दिसंबर को युवा गौरवशाली समारोह का आयोजन होगा। गौरवशाली समारोह में केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। समारोह में मनोहर लाल युवाओं को सफलता, कौशलता, आत्मनिर्भरता और उद्यमियता का मंत्र देंगे। इसके साथ ही संविधान की महत्ता और डॉ. अंबेडकर जी के आदर्शों से युवा जुड़ें, इसको लेकर भी मनोहर लाल सीधा संवाद करेंगे। युवा गौरवशाली समारोह की खास बात यह रहेगा कि प्रदेशभर से युवा जुटेंगे, जिसमें युवा उद्यमी, युवा सरपंच, खिलाड़ी शामिल होंगे। एमडीयू रोहतक में संविधान गौरव उत्सव समिति के तत्वाधान में युवा गौरवशाली समारोह का आयोजन किया जा रहा है। संविधान गौरव उत्सव समिति का उद्देश्य युवा गौरवशाली समारोह के जरिये युवाओं को संविधान के सम्मान और स्वाभिमान को जीवन में आत्मसात कराना है। गौरतलब है कि बतौर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची के नौकरी देकर देशभर में नौकरियां का मिशन मेरिट मॉडल तैयार किया था, जिससे आज देश के कई राज्य अपना चुके हैं। इसके साथ ही युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन किया और युवा उद्यमी तैयार किए गए, जो युवाओं के लिए प्रेरणा साबित हुए।

हर युवा मनोहर लाल को सुनने के लिए उत्साहित

युवा गौरवशाली समारोह के संयोजक तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया बताते हैं कि युवा गौरवशाली समारोह को लेकर युवाओं में उत्साह है और मनोहर लाल के प्रति युवाओं में क्रेज है। गौरवशाली समारोह की तैयारियों को लेकर उनका जिलों में जनसंपर्क अभियान जारी है। जनसंपर्क अभियान के दौरान युवाओं को युवा गौरवशाली समारोह का न्यौता दिया जा रहा है, जिसमें पहुंचने के लिए हर युवा उत्साहित है। युवाओं का मानना है कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मिशन मेरिट मॉडल से उनके सपनों को उड़ान मिली है। खास बात यह है रोहतक में आयोजित होने वाले युवा गौरवशाली समारोह की तैयारियों का जिम्मा खुद युवाओं की टीम संभाल रही है। जिला स्तर पर संविधान गौरव उत्सव समिति की टीमें गांवों में पहुंचकर युवाओं से युवा समारोह का न्यौता दे रहे हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किसानों पर आंसू गैस, वाटर कैनन व बल प्रयोग को लेकर जताया विरोध

- कहा-अड़ियल रवैया छोड़े बीजेपी, किसानों से बातचीत कर निकाले समाधान : हुड्डा

चंडीगढ़, दिसंबर : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किसानों के विरुद्ध पुलिस द्वारा आंसू गैस, वाटर कैनन और बल प्रयोग पर कड़ा विरोध दर्ज करवाया है। उन्होंने कहा कि सरकार जान-बूझकर टकराव के हालात पैदा कर रही है, जबकि उसे किसानों के साथ बातचीत के जरिए समाधान निकालना चाहिए। अब तक किसानों का पूरा आंदोलन शांतिपूर्ण रहा है और वह अपील करते हैं कि भविष्य में भी यह पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। लेकिन बीजेपी सरकार आंदोलन को दबाने के लिए हिंसक रुख अपना रही है, जो निंदनीय व अलोकतांत्रिक है। हुड्डा का कहना है कि आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत लगातार गिर रही है। बीजेपी सरकार को अपना अड़ियल रवैया छोड़कर किसानों से बातचीत करनी चाहिए। उनकी मांगों का समाधान कर तुरंत जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन खत्म करवाना चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि किसानों की मांग पूरी तरह जायज और कई साल पुरानी है। खुद बीजेपी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में किसानों को स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक एमएसपी देने का वादा किया था। यही वादा बीजेपी सरकार ने किसान आंदोलन को खत्म करवाते हुए भी दोहराया था। लेकिन किसानों को दिए गए आश्वासन के मुताबिक आजतक एमएसपी कमेटी का कोई अता-पता नहीं है। ऐसे में किसान सरकार के सामने अपनी मांग नहीं रखेंगे तो क्या करेंगे? किसानों को दिल्ली जाने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक कदम है। प्रजातंत्र में सभी नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने-जाने या अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन बीजेपी किसानों के इस अधिकार को कुचलना चाहती है।

हरियाणा के बिजली निगमों ने 2025-26 के लिए 46065.49 करोड़ रुपए के खर्च का रखा प्रस्ताव, उपभोक्ताओं पर बढ़ सकता है टैरिफ बोझ

- बिजली उपभोक्ताओं को बढ़े हुए टैरिफ का करना पड़ सकता है सामना, घरेलू और वाणिज्यिक दोनों श्रेणियों को करेगा प्रभावित
- राजस्व घाटे की भरपाई के लिए निगमों ने 9.8 फीसदी औसत टैरिफ वृद्धि की बताई आवश्यकता, एचईआरसी जनवरी में कर सकती है जनसुनवाई

चंडीगढ़, दिसंबर : हरियाणा के बिजली वितरण निगम उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 46065.49 करोड़ रुपए के वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) और टैरिफ प्रस्ताव आयोग को सौंपा है। यह प्रस्ताव पिछले वित्तीय वर्षों की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। इस व्यय में वित्तीय वर्ष 2023-24 का ट्रू-अप शामिल है। इसमें रिटर्न ऑन इक्विटी के रूप में 730 करोड़ रुपए (14 फीसदी) भी प्रस्तावित हैं। अब हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) को यह तय करना है कि उपभोक्ताओं के हितों और निगमों के वित्तीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर क्या निर्णय लिया जाए। यदि प्रस्ताव स्वीकृत होता है तो बिजली उपभोक्ताओं को बढ़े हुए टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है, जो घरेलू और वाणिज्यिक दोनों श्रेणियों को प्रभावित करेगा। क्या हरियाणा के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालना उचित है? यह देखना होगा कि आयोग कैसे संतुलन स्थापित करता है। वहीं, विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 65 के तहत राज्य सरकार को सब्सिडी प्रदान करने का कानूनी अधिकार है, लेकिन यह पारदर्शिता और समय पर भुगतान पर आधारित है। यदि राज्य सरकार यह सब्सिडी देती है तो इसे वितरण कंपनियों और रखना होगा ताकि बिजली क्षेत्र की उपभोक्ताओं के बीच संतुलन बनाए आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

बिजली खरीद और वितरण का खाका

निगमों ने प्रस्तावित किया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7337.7 करोड़ यूनिट बिजली खरीदी जाएगी, जो पिछले वर्ष की स्वीकृत इकाइयों से अधिक है। इनमें से 6196.86 करोड़ यूनिट बिजली हरियाणा के उपभोक्ताओं को वितरित की जाएगी। वितरण हानियां 10.25 फीसदी (डीएचबीवीएन) और 10.15 फीसदी (यूएचबीवीएन) अनुमानित हैं। लगभग 291.90 करोड़ यूनिट अधिशेष बिजली पॉवर एक्सचेंज के माध्यम से बेची जाएगी।

बिजली की लागत और उपभोक्ताओं पर प्रभाव

बिजली खरीद की औसत लागत (ट्रांसमिशन और एसएलडीसी शुल्क सहित) 5.21 रुपए प्रति यूनिट आंकी गई है। बिजली खरीद लागत कुल एआरआर का 83 फीसदी है। अन्य खर्चों में कर्मचारियों का वेतन, लंबी अवधि के कर्ज पर ब्याज, रखरखाव और कार्यशील पूंजी पर ब्याज शामिल हैं।

सब्सिडी और राजस्व घाटा

एपी ट्यूबवेल सब्सिडी 5941.17 करोड़ रुपए प्रस्तावित। राजस्व घाटा सब्सिडी के बाद भी वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंत तक 4520.24 करोड़ रुपए का घाटा अनुमानित है।

चुनौतियां और चिंताएं

बिजली बिक्री के लिए निगमों के पास 7331 करोड़ रुपए की बकाया राशि लंबित है। तकनीकी और वाणिज्यिक हानियां अब भी अधिक बनी हुई हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोग द्वारा स्वीकृत रखरखाव बजट का पूरा उपयोग नहीं किया गया। वोल्टेज आधारित लागत के अनुसार टैरिफ में सुधार का कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया। राजस्व घाटे की भरपाई के लिए निगमों ने 9.8 फीसदी औसत टैरिफ वृद्धि की आवश्यकता बताई है। यह वृद्धि 0.47 रुपए प्रति यूनिट के ईंधन समायोजन शुल्क (एफएसए) के अतिरिक्त होगी।

मुख्य बिंदु

अगर राज्य सरकार उपभोक्ताओं को आगामी वित्तीय वर्ष में बढ़ने वाली बिजली दरों से बचाना चाहती है तो सब्सिडी का भुगतान राज्य सरकार द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 65 के तहत वितरण कंपनी को किया जाना आवश्यक है। यदि सब्सिडी का भुगतान नहीं किया जाता तो विनियामक आयोग द्वारा अनुमोदित टैरिफ ही लागू होगा। सब्सिडी का प्रावधान पारदर्शिता और अधिसूचना के माध्यम से होना चाहिए। यह उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने और वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया प्रावधान है।

एसडीएम व सीओ ने बिना प्रपत्रों के गिट्टी लदे 4 ओवरलोड ट्रकों को किया सीज

■ कालपी-उरई

बीती रात को एसडीएम सुशील कुमार सिंह तथा सीओ अवधेश कुमार सिंह की संयुक्त टीम के द्वारा कालपी- उरई हाइवे की सड़क में चैकिंग के दौरान बिना खनन प्रपत्रों के परिवहन करते ओवरलोड गिट्टी भरे 4 ट्रकों को पकड़ कर सीज करने की कार्यवाही की गई है।प्रशासन की इस कार्यवाही से तमाम वाहन चालकों में हड़कंप है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 14/15 दिसम्बर की रात को आटा थाना प्रभारी एके सिंह के साथ एसडीएम तथा सीओ राष्ट्रीय राजमार्ग में भ्रमण कर रहे थे। तभी उरई - कालपी हाइवे रोड की सड़क में आटा टोल प्लाजा में उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह तथा सीओ , पुलिस की टीम के द्वारा अवैध खनन तथा ओवरलोड के खिलाफ चैकिंग की गई। इस दौरान बिना खनिज प्रपत्र के ओवरलोड गिट्टी लदे 4 ट्रक को पकड़ लिया। उपजिलाधिकारी ने पकड़े गये वाहन को गल्ला कालपी के परिसर में सम्बंधित थाना पुलिस की अभिरक्षा में सीज कर खड़ा करा दिया गया। इसी तारतम्य में एसडीएम के नेतृत्व में संयुक्त टीम के द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित आटा टोल प्लाजा में चेकिंग अभियान भण् ट्रकों के पास में रॉयल्टी प्रपत्र नहीं पाया गया। रॉयल्टी प्रपत्र न होने पर अधिकारियों ने हैरानी जताई।तीनों ट्रकों को विशिष्ट गल्ला मंडी उरई में पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कर कर सीज करने की कार्रवाई की गई।

दुकान में पीछे की दीवाल की ईंटें हटाकर अज्ञात चोरों ने उड़ाई नकदी व सामान

■ जालौन-उरई

देवनगर चौराहे पर स्थित अमूल पार्लर व कन्फेक्शनरी की दुकान में पीछे की दीवाल की ईंटें हटाकर अज्ञात चोरों ने दुकान की गोलक में रखे लगभग 12 हजार रुपये नकद व कुछ सामान चोरी कर लिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मुआयना कर चोरों की तलाश शुरू की।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बैठगंज निवासी देवांशु अग्रवाल का देवनगर चौराहे पर अमूल पार्लर व कन्फेक्शनरी की दुकान है। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात करीब 10 बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए। रात में अज्ञात चोर दुकान के पीछे एक्जास्ट लगाने के स्थान पर ईंटों को हटाकर दुकान के अंदर घुस गए। चोरों ने दुकान की गोलक में रखे लगभग 12 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। साथ ही कन्फैक्शनरी की कुछ सामान भी चोरी कर लिया। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचे तो गोलक खाली थी और पीछे दीवार की ईंटें हटी हुई थी। जिसके बाद उन्होंने सीसीटीवी कैमरे को देखा तो चोर दुकान के अंदर दिखाई दिया। दुकानदार की सूचना पर चौकी पुलिस ने मौके का मुआयना कर चोरी के संबंध में जानकारी ली। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोर की तलाश कर रही है।

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

उरई। थाना डकोर पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर न्यायलय से वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना डकोर पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त जगराम कुशवाहा पुत्र हरीकिशोर कुशवाह निवासी ग्राम डकोर थाना डकोर जनपद जालौन को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी ।

संक्षिप्त समाचार

निःशुल्क नेत्र शिविर में 85 रोगियों का हुआ उपचार, 25 मरीजों के ऑपरेशन

कालपी-उरई। रविवार को रोज बर्ल्ड पब्लिक स्कूल कालपी के परिसर में नेत्र चिकित्सक डॉ. सौम्या दुवे के नेतृत्व में विशाल नेत्र नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस दौरान 85 नेत्र रोगियों का परीक्षण करके उपचार किया गया तथा 25 मरीजों का ऑपरेशन के लिए ले जाया गया। जिला अंधता निवारण समिति के तत्वावधान में आयोजित शिविर में डॉ. जवाहरलाल रोहतगी स्मारक नेत्र चिकित्सालय कानपुर के चिकित्सकों की मौजूदगी में डॉ. सौम्या दुवे, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. शुभम, विजय कुमार आदि के द्वारा 10 बजे से मरीजों का परीक्षण करके इलाज शुरू किया गया। डॉ. शुभम ने कहा कि आँखों की किसी भी प्रकार की परेशानी को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेत्र रोगियों को चिकित्सकों की सलाह से ही उपचार कराना चाहिए, इससे समय रहते नेत्र की बीमारियों पर नियंत्रण हो सकती है। शिविर में चिन्हित 25 रोगियों को ऑपरेशन के लिए कानपुर चिकित्सालय ले जाया गया। इस मौके पर मनोज चतुर्वेदी, सलीम अंसारी, प्रकाश नारायण द्विवेदी, अरविंद सिंह राठौर, बाबू सिंह यादव, जयवीर सिंह यादव एडवोकेट,रविंद्र सिंह, रोहिणी शर्मा, रणजीत सिंह यादव, प्रधानाध्यापक सैयद शबाहत हुसैन, अमित कुमार रायकावर, दिलीप कुमार, चंद्रपाल आदि लोग मौजूद रहें।

पालिका के 36 तथा राजस्व विभाग के 10 स्थानों में स्थापित अलाव प्वाइंटों का किया निरीक्षण

कालपी-उरई। राहगीरों तथा निराश्रित लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका तथा राजस्व विभाग के द्वारा सार्वजनिक स्थानों में अलाव स्थापित कराये गए हैं। नगर पालिका परिषद कालपी केकी ओर से कालपी नगर के अलग-अलग 36 सार्वजनिक स्थान में सार्वजनिक प्वाइंटों में अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। जब कि राजस्व विभाग के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के सार्वजनिक तथा भीड़ भाड़ वाले स्थान में अलाव चलाने की व्यवस्था है। बीती रात को उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने घूम-घूम कर आलाव के पॉइंट स्थलों का निरीक्षण किया गया। पालिका के अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला ने बताया कि पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव के निर्देश पर अलग-अलग जगह पर अलाव जलाने की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी ने बताया कि जोल्हपुर मोड़, उसरगांव, आटा, इटौरा स्टैंड,आटा आदि सार्वजनिक स्थानों में राजस्व विभाग के द्वारा अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। रात में एसडीएम तथा सीओ के द्वारा प्वाइंटों का निरीक्षण किया तथा जिम्मेदारों को निर्देश दिया कि ठंडक से बचाव के लिये पुख्ता इंतजाम किये जाएं ।इसमें किसी भी प्रकार के शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजपा के बूथ अध्यक्षों के सम्मान समारोह में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सारथी बनकर रथ को चलाया

जालौन-उरई । भाजपा के बूथ अध्यक्षों के सम्मान समारोह में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सारथी बनकर रथ को चलाया। इसके साथ ही तिलक कर व पगड़ी पहनाकर बूथ अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। भाजपा संगठन पर्व 2024 के बूथ अध्यक्ष निर्वाचन में नवनियुक्त बूथ अध्यक्ष के सम्मान समारोह में कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बूथ अध्यक्षों को सबसे पहले तिलक लगाकर व पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। इसके बाद बूथ अध्यक्षों को सम्मान के साथ बग्घी में बैठाकर खुद उनके सारथी बने। इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संगठन की प्राथमिक इकाई बूथ अध्यक्ष ही हैं। इन्हीं से संगठन को अपनी बात आम जन तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। साथ ही विभिन्न समस्याओं से ही बूथ अध्यक्ष संगठन को अवगत कराते हैं ताकि उनका निराकरण किया जा सके। इसलिए उनकी जिम्मेदारी बहुत अहम है। उनका सम्मान करना भी गर्व की बात है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा मनोज राजपूत, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, नगर अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष रामेंद्र सिंह सेंगर बनाजी, प्रदीप कुमार, आलोक भदौरिया, पवन श्रीवास्तव, अनेकांत श्रीवास्तव, संजय सेंगर, भरत भदौरिया, कमलापति कुशवाहा, नागेंद्र गुप्ता, मनोज राजपूत, मनोज पालीवाल, आशु चतुर्वेदी, छोटे सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

8 किलो 175 ग्राम अवैध गांजा सहित तस्कर गिरफ्तार

उरई। डकोर थाना पुलिस द्वारा मुखबिर की सटीक सूचना पर अपराधियों की धर पकड़ अभियान के दौरान एक युवक को 8-30 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया, अभियुक्त लंबे समय से गंजा की तस्करी कर रहा था, पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया है। जानकारी में बताया गया पुलिस अधीक्षक डॉक्टर दुर्गेश कुमार के निर्देश पर अपराधियों की धर पकड़ के लिए जब थाना डकोर पुलिस द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा था तभी किसी मुखबिर द्वारा गांजा तस्कर के मौजूद होने की सूचना दी गई जिस पर पुलिस ने घेराबंदी करके उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम सुधांशु रंजन उर्फ विशाल पुत्र केदार बाबू निवासी शीतला माता मंदिर जैसवाल टावर कालपी रोड उरई जनपद जालौन बताया गया है, उस के पास से 8 किलो 175 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया, अभियुक्त पर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर उसे जेल भेज दिया गया ।

छौंक में आयोजित कार्यक्रम में बाल-विवाह के खिलाफ आमजन को किया जागरूक

बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के प्रति जागरूक किया

■ कालपी-उरई

अनुरागिनी संस्था के तत्वावधान में छौक कालपी में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बाल विवाह निषेध जागरूकता संगोष्ठी÷ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी एवं यूपीसीएलडीएफ की वाइस चेयरमैन जयति श्रीवास्तव द्वारा वाल विवाह की कमियां बताकर जागरूक किया गया। दीप प्रज्वलन कर किया गया।

ज़िला प्रशासन के सहयोग से विधालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने कहा, बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो न केवल बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाती है, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करती है। हमें अपने बच्चों को शिक्षित और जागरूक बनाकर इस कुप्रथा को समाप्त करना होगा। जागरूकता ही परिवर्तन की पहली सीढ़ी है।

यूपीसीएलडीएफ की वाइस चेयरमैन जयति श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा, समाज में व्याप्त बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हेल्पलाइन नंबर और सरकारी योजनाओं की जानकारी हर बच्चे और अभिभावक तक पहुंचाई जानी चाहिए। कार्यक्रम में दीपा, रीमा, रिया, साम्य, सेजल, मानसी, प्रांजल, दिव्यांशी एवं मोहिनी ने एक लघु नाटक के माध्यम से बाल विवाह के दुष्प्रभावों को उजागर किया और बच्चों को बाल विवाह रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। साथ ही, बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह ने कहा, बाल विवाह न केवल बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में अपना विकास कर सकें। अनुरागिनी संस्था इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है और करती रहेगी।

जिला समन्वयक(कस्तूरबा विद्यालय) श्याम जी गुप्ता ने संगोष्ठी में कहा, बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस तरह के आयोजन बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन रेवती कुमारी, पूजा भदौरिया, कुसुम लता, और मधुबाला चतुर्वेदी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। संचालन शिक्षिका पूजा श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम में जिला केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता जालौन के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राजावत, क्रय विक्रय सहकारी समिति के उपसभापति उदय प्रताप सिंह, कालपी सहकारी संघ के निदेशक रविन्द्र सिंह संस्था के उपाध्यक्ष बृजेश कस्यप, समन्वयक राहुल सामदिया, प्रद्युम्न सिंह, हरिहर सिंह, राज प्रताप सिंह, अनेक बालिकाओं, शिक्षकों, ने सहभागिता की। संगोष्ठी का उद्देश्य बच्चों, विशेष रूप से बालिकाओं, को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को प्रेरित करना था।

शौचालय का टैंक बनाने को लेकर दो लोगों में विवाद

जालौन-उरई। शौचालय का टैंक बनाने को लेकर दो लोगों के बीच हुए विवाद का मामला कोतवाली पहुंचा। पुलिस ने दोनो के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खनुआं निवासी महेश कुमार व आनंद के बीच जगह को लेकर विवाद चल रहा था। रविाार की सुबह महेश कुमार विवादित स्थान पर शौचालय का टैंक बनवा रहे थे। विवादित स्थान पर टैंक बनाने से जब आनंद ने महेश को मना किया तो दोनों के बीच इसी बात को लेकर गाली, गलौज व हाथापाई होने लगी। मारपीट के बाद दोनों पक्ष कोतवाली पहुंच गए। जहां पुलिस ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई की है।

रास्ते में भैंस बांधने को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने दो लोगों पर की कार्रवाई

जालौन-उरई। रास्ते में भैंस बांधने को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शहजादपुरा निवासी अखिलेश व राजेश के बीच रास्ते में भैंस बांधने को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों के बीच गाली, गलौज होने लगी। इसी बीच दोनों हाथापाई हो गई। लोगों के समझाने के बाद भी न मानने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई की है।

डायल 112 के पुलिस कर्मियों के साथ कोतवाल ने की बैठक

■ कोंच

ड्यूटी स्थल पर हर समय रहें मौजूद- कोतवाल

कोतवाली क्षेत्र में कानून व्यवस्था को टनाटन रखने के क्रम में प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय ने कोतवाली क्षेत्र में पदस्थ डायल 112 के सभी पुलिस कर्मियों की के साथ बैठक कर उन्हे आवश्यक दिशा निर्देश दिये।कोतवाली कार्यालय में बैठक लेते हुए प्रभारी निरीक्षक ने निर्देश दिए कि चाहे दिन हो या फिर रात, अपने अपने ड्यूटी स्थल पर मौजूद रहें। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते समय बाइक/कार का हूटर जरूर बजाएं। छोटी से छोटी घटना की सूचना मिलने पर तेजी दिखाएं त्वरित मौके पर पहुंचे और उचित कार्यवाही करे। सर्दियों के मौसम में रात्रि के समय विशेष सजग रहें ताकि चोरी जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। उन्होने कहा घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ति की हरसंभव सहायता करें। आम जनमानस से हर समय अच्छा बर्ताव करे जिससे पुलिस-पब्लिक के बीच मधुर संबंध बनाये जा सकें। बैठक में डायल 112 पुलिस के सभी कर्मी मौजूद रहे।

हार जीत की बाजी लगाते हुए आधा दर्जन जुआरी गिरफ्तार

■ जालौन-उरई

कोतवाली पुलिस ने हार जीत की बाजी लगाते हुए आधा दर्जन लोगों को पकड़ा है। जिनके खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खनुआं में गांव के बाहर कुछ लोग हार जीत की बाजी लगा रहे थे। इसकी जानकारी किसी ने कोतवाली पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही कोतवाल वीरेंद्र पटेल ने एसआई राजेश वशिष्ठ को पुलिस फोर्स के साथ मौके पर भेजा। मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने मौके से भारत सिंह सरावन, कल्लू धनौरा कलां, हेमंत कुमार कुंवरपुरा, रामराजा खनुआं, शैलेंद्र कुमार भेंड़, रविंद्र कुमार खनुआं को दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने पकड़े गए व्यक्तियों के पास से लगभग 11500 रुपये बरामद किए। सभी आरोपियों को कोतवाली लाकर पुलिस ने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गौशालाओं का बुरा हाल, मृत गौवंशों को नोंच रहे कुत्ते

ट्रैक्टर से घसीटे जा रहे मृत गौवंश वीडियो वायरल

■ कोंच

जहां एक ओर योगी सरकार गौशालाओ के रखरखाव में करोडो खर्च कर रही है। वही तहसील क्षेत्र की गौशालाओं का बुरा हाल है, मृत गौवंशों को कुत्ते नोंच रहे हैं, साथ ही इन्हें ट्रैक्टर से घसीटा जा रहा है। ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो विकास खंड नदीगांव की धनौरा गौशाला के बताए जा रहे हैं। योगी सरकार द्वारा गौवंशों के संरक्षण के लिए गांव-गांव गौशाला स्थापित की गई हैं और गौवंशों के भरण-पोषण के लिए सरकार इन गौशालाओं को लाखों का बजट मुहैया करा रही है लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही और संबंधित अधिकारियों की अनदेखी के कारण इन गौशालाओं का बुरा हाल है। सोशल मीडिया पर दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में गौशाला में मृत गोवंश को कुत्ते बुरी तरह नोंच रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उक्त मृत गौवंश को ट्रैक्टर से घसीट कर ले जाते दिखाया जा रहा है। किसी ने इस मामले को प्रशासन के संज्ञान में लाने के लिए पूरे इत्मीनान के साथ बनाया और फिर वायरल कर दिया। दोनों वीडियो नदीगांव विकास खंड के ग्राम धनौरा की गौशाला के बताए गए हैं। इस संबंध में बीडीओ मानूलाल यादव का कहना है कि मौके पर एडीओ पंचायत व ग्राम सचिव को भेजा गया है। जांच के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहाड़गाँव गौशाला में नहीं हुआ सुधार एक गौवंश की फिर से मौत

कोंच। पहाड़गाँव गौशाला की हालत बद से बत्तर बनी हुई हैरां की व्यवस्थायें सुधरने का नाम नहीं ले रहीं हैं, बीते करीब 4 दिन पहले एक गौवंश की मौत हो जाने के बाद एक और गौवंश की सर्दी और भूख-प्यास से मौत हो गयी।विकास खंड कोंच क्षेत्र की आबादी के लिहाज से बड़ी ग्राम पंचायत पहाड़गाँव में बनी गौशाला की हालत अधिकारियों के निरीक्षण किए जाने और कड़े दिशा निर्देश दिए जाने के बाद भी सुधरती नजर नहीं आ रही है। सर्दी और भूख प्यास से बीते करीब 4 दिन पहले एक गौवंश की मौत हो गयी थी जिसे गौशाला से बाहर कर मृत अवस्था में सड़क किनारे फेंक दिया गया था। मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा बीडीओ से लेकर सीडीओ से दूरभाष के माध्यम से शिकायत.की गयी थी। सीडीओ के निर्देश पर बीडीओ सर्वेश कुमार रवि ने मौके पर जाकर प्रधान और सचिव को गौशाला की व्यवस्था सुधार के कड़े निर्देश दिए थे। वहीं रविवार की तड़के गौशाला के अंदर एक और गौवंश की मौत हो गयी और कुछ देर बाद जब अन्य कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंच पाते इससे पहले ही उक्त मृत गौवंश मौके से गायब कर दिया गया। ग्रामीण रवि ने बताया कि गौशाला के अंदर सर्दी से वचाब के लिए न तो तिरपाल लगायी गयी है और न ही हीटर। गौवंशों हेतु खाने पीने की भी कोई अच्छी व्यवस्था नहीं हैं। मामले को लेकर बीडीओ का कहना है कि गौवंश की मौत की सूचना मिली है, जल्द ही सर्दी से बचाने के लिए समुचित व्यवस्था करायी जायेगी और लापरवाही बरतने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

भारत मंडपम नई दिल्ली में आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया

विकसित भारत के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण जरूरी: राजनाथ सिंह

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा
- हमें सांस्कृतिक जागरूकता का माहौल बनाने की जरूरत

एजेंसी, नई दिल्ली

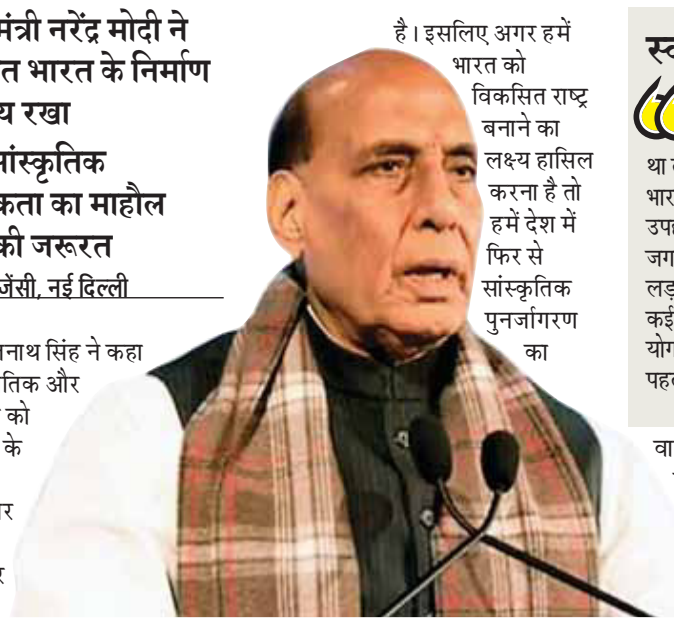

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हर राजनीतिक और राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक सामाजिक और सांस्कृतिक धरातल तैयार करना पड़ता है। इसलिए अगर हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करना है तो हमें देश में फिर से सांस्कृतिक पुनर्जागरण का वातावरण तैयार करना होगा। रक्षा मंत्री रविवार को यहां भारत मंडपम में आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत की आजादी का अमृतकाल चल रहा है। यह संयोग है कि आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। जिस तरह स्वामीजी ने एक जागरूक सांस्कृतिक भारत की कल्पना की थी, उसी तरह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा है। हमारा मानना है इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें सांस्कृतिक जागरूकता का माहौल बनाने की जरूरत है।

स्वामी दयानंद सरस्वती ने देश की सोई चेतना को जगाया

रक्षा मंत्री ने कहा कि गुजरात की धरती पर जब स्वामीजी का जन्म हुआ था तब देश अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। अंग्रेजी शासक भारत और भारतीय संस्कृति को दोयम दर्जे का बता कर उसका सार्वजनिक रूप से उपहास उड़ाते थे। स्वामी दयानंद सरस्वती ने भारत की सोई चेतना को जगाने का काम किया। उन्होंने कहा कि उनका प्रभाव अंग्रेजी शासन से लड़ने वाले लाला लाजपत राय, राम प्रसाद बिस्मिल, स्वामी श्रद्धानंद जैसे कई महापुरुषों पर पड़ा। स्वातंत्र्य वीर सावरकर ने उनकी भूमिका और योगदान के बारे में लिखा है कि स्वामीजी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले योद्धा थे। उन्होंने ही सबसे पहले स्वराज की मांग की थी।

सबसे पहले की स्वराज की मांग

रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने ही सबसे पहले स्वराज की मांग की थी। वह केवल वेदों की मीमांसा करने वाले ऋषि मात्र ही नहीं थे, बल्कि वे देश में नई सांस्कृतिक यात्रा के प्रकाश पुंज थे। हमारे वेद, भारतीय ज्ञान विज्ञान की गंगोत्री की तरह है। बिना उद्गम समझे भारतीय ज्ञान गंगा का विस्तार समझ पाना मुश्किल ही नहीं ना मुमकिन है। इसलिए स्वामीजी ने मूल की तरफ ही सबका ध्यान खींचा। वेदों में ऐसे ज्ञान हैं जिनका सहारा लेकर हम जलवायु परिवर्तन समेत आधुनिक युग की समस्याओं के भी समाधान ढूंढ सकते हैं।

2026 तक पूरा होने की उम्मीद

राम मंदिर की तर्ज पर अमेरिका में बनेगा भव्य मंदिर

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर अमेरिका में एक भव्य मंदिर का निर्माण होगा। ह्यूस्टन के पियरलैंड में स्वामी सत्यानंद सरस्वती फाउंडेशन वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए पांच एकड़ क्षेत्र में फैले विशाल मंदिर का निर्माण कराएगा। केरल हिंदूज आफ नार्थ अमेरिका कांफ्रेंस के एक हिस्से के रूप में, फाउंडेशन का लक्ष्य 23 नवंबर, 2025 को एक शक्तिशाली, दिव्य स्थान पर 'बलालया प्रतिष्ठा समारोह' आयोजित करना है। मंदिर निर्माण का पहला चरण 24 नवंबर, 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। नया मंदिर प्रसिद्ध श्रीमीनाक्षी मंदिर के सामने स्थित होगा। मंदिर निर्माण की आधिकारिक घोषणा अटुकल थंत्री वासुदेव भट्टथिरी के नेतृत्व में प्रार्थना के साथ एक समारोह के दौरान की गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर समेत कई गणमान्य लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस परियोजना का उद्देश्य आध्यात्मिक एकता को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना और वैश्विक हिंदू समुदाय को सशक्त बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई के वर्ली में व्यावसायिक इमारत में आग लगी

मुंबई। दक्षिण मुंबई के वर्ली इलाके में सुबह एक व्यावसायिक इमारत में लग गई, जिसपर करीब चार घंटे बाद काबू पा लिया गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि एनी बेसेंट रोड पर सात मंजिला पूनम चैंबर्स की दूसरी मंजिल पर हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि पूर्वाह्न करीब 11:40 बजे लगी आग पर अपराह्न करीब 3:30 बजे काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि आग दूसरी मंजिल पर 12,000-13,000 वर्ग फुट में फैले राजश्री प्रोडक्शन स्टूडियो तक ही सीमित रही। उन्होंने कहा कि आग बुझाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियों, छह बड़े टैंकर, स्थानीय पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों की मदद ली गई।

आईएमडी ने मछुआरों को चेतावनी जारी की

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी दिनों में दक्षिण तमिलनाडु के तट एवं अन्य क्षेत्रों में तूफान चलने की आशंका जताई है और मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी है। तमिलनाडु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (टीएनएसडीएमए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय मौसम कार्यालय द्वारा सुबह साढ़े पांच बजे दी गयी जानकारी के अनुसार सोमवार को दक्षिण तमिलनाडु तट, निकटवर्ती कोमोरिन क्षेत्र, मन्नार की खाड़ी पर और उसके पास 35-45 किलोमीटर प्रति घंटे से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से तेज हवा चलने की आशंका है।

पुलिस ने ओडिशा से मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 47 वर्षीय एक व्यक्ति को ओडिशा के कोरापुट से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजय कुमार सैनी ने बताया कि घोषित अपराधी मोहम्मद अनवर खान को ओडिशा की स्थानीय पुलिस की सहायता से 12 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपी 2019 में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज दो बड़े मामलों में शामिल था, जिसमें 1,600 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया था और दो अलग-अलग शहरों में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि खान के छिपे होने की सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने उसे ओडिशा के कोरापुट जिले से गिरफ्तार किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में छत्तीसगढ़ पुलिस को प्रेसिडेंट्स कलर प्रदान करते हुए।

केंद्र सरकार की सख्ती पर राज्य सरकार की भी राय मांगी

चीन सीमा के पास अतिक्रमण को लेकर केंद्र सख्त, राज्य सरकार को चेताया

एजेंसी, शिमला

हिमाचल प्रदेश में नेशनल हाईवे पर चीन शासित तिब्बत सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों तक अतिक्रमण पर केंद्र सरकार सख्त हो गई है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं हाईवे मंत्रालय के संयुक्त सचिव विनय कुमार ने इस संबंध में एक पत्र मुख्य सचिव को भेजा है। इसे सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक को भी भेजा है। इसमें राज्य लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंताओं पर भी अतिक्रमण को हटाने की जिम्मेदारी डालने को कहा गया है। केवल एनएच अथॉरिटी ही इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगी। अतिक्रमण हटाने के लिए केंद्र सरकार की सख्ती पर राज्य सरकार की भी राय मांगी है। मंत्रालय ने एक ड्राफ्ट सर्कुलर तैयार किया है। इस पर भी राज्य सरकार से 15 दिन में सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं।

माह में दो बार निरीक्षण

मुख्य सचिव को ड्राफ्ट सर्कुलर भी भेजा गया है। इस पर 15 दिन में आपत्तियां और सुझाव मांगे गए हैं। ऐसी ही आपत्तियां और सुझाव अन्य राज्यों से भी मांगे गए हैं। इसके अनुसार, राज्य सरकार में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता जिनके पास नेशनल हाईवे का चार्ज दिया गया है, वह सड़कों के किनारे अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए उचित कदम उठाएंगे। इसमें स्पष्ट किया गया है कि अधिशासी अभियंता को महीने में दो बार अतिक्रमण हटाने के लिए निरीक्षण पर भेजा जाए और इसकी रिपोर्ट भेजी जाए।

एनएमसी ने जारी किया आदेश

अतिरिक्त शिक्षा लेने पर डॉक्टरों को लेना होगा एक्यू प्रमाणपत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने सभी पंजीकृत डॉक्टरों को जारी आदेश में कहा है कि सर्जरी, बाल चिकित्सा, स्त्री रोग या फिर त्वचा विज्ञान जैसे विषयों पर आधारित कोई खास डिप्लोमा करते हैं, जिसके लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण और परीक्षाओं की आवश्यकता होती है। इसे पूरा करने के बाद एक्यू प्रमाण पत्र लेना सभी के लिए अनिवार्य है। इसके लिए राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान शिक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा भी दी है। एनएमसी के मुताबिक, अक्सर एक डॉक्टर अपने क्लिनिक या अस्पताल में नाम के साथ कई अलग अलग तरह की डिग्री और डिप्लोमा लिखते हैं। इनमें से कई नाम ऐसे भी होते हैं जिनके बारे में न कभी सुना गया और न कभी उसकी मान्यता के बारे में कोई जानकारी है। किसी भी डॉक्टर को अतिरिक्त शिक्षा लेने से इंकार नहीं कर सकते क्योंकि यह उनका अधिकार है लेकिन यह शिक्षा सही प्रणाली और मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।

शिक्षा मान्यता प्राप्त होना जरूरी

एनएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उदाहरण देते हुए बताया कि एमबीबीएस और एमडी या एमएस की डिग्री लेने के बाद अक्सर डॉक्टर मरीजों की सेवा के दौरान त्वचा विज्ञान या फिर नेत्र देखभाल के लिए नेत्र विज्ञान में डिप्लोमा लेते हैं। मस्कुलोस्केलेटल विकारों के लिए हड्डी रोग और हृदय रोगों में उन्नत प्रशिक्षण के लिए कार्डियोलॉजी में फेलोशिप तक करते हैं। यह शिक्षा और प्रशिक्षण उनके अनुभव को और बेहतर बनाने में सहायक होता है जिसका लाभ उनके मरीजों को होता है। इसलिए यह शिक्षा मान्यता प्राप्त होना और भी जरूरी है।

अमेरिका में गई एक और भारतीय की जान

वॉशिंगटन। अमेरिका में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई है। हादसे में दो अन्य भारतीय छात्र घायल भी हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। घटना शुक्रवार आधी रात की है, जब अमेरिका के टेनेसी राज्य के मेम्फिस इलाके में एक वाहन ने कार को टक्कर मार दी। जिससे कार सवार भारतीय छात्रा की मौत हो गई। मृतका की पहचान 26 वर्षीय नागा श्री वंदना परिमाला के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की निवासी थी। एक व्यवसायी की बेटी वंदना साल 2022 में उच्च शिक्षा हासिल करने अमेरिका गई थी। वंदना अमेरिका के मेम्फिस विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ साइंस की पढ़ाई कर रही थी। जिस हादसे में वंदना की जान गई, उसमें दो अन्य छात्र पवन और निकित घायल भी हुए हैं। जांच में पता चला है कि एक वाहन नियंत्रण खोकर कार से टकरा गया, जिसमें वंदना की मौत हो गई। गौरतलब है कि बीते कुछ माह में अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत की कई घटनाएं सामने आई हैं। अमेरिका जाकर पढ़ाई करना भारतीय छात्रों का सपना होता है, लेकिन बीते कुछ समय से ये सपना दुस्वप्न में बदलता जा रहा है। इस साल अप्रैल तक ही अमेरिका में 11 भारतीय छात्रों की मौत हो चुकी थी और अब यह आंकड़ा काफी बढ़ चुका है।

प्रस्ताव के लिए हुए मतदान में कुल 300 सांसदों ने हिस्सा लिया

दक्षिण कोरिया में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल, राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित

एजेंसी, सियोल

दक्षिण कोरिया का संयुक्त जांच दल बुधवार को महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति यून सूक येओल को विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों पर तलब करेगा। इसकी जानकारी सोमवार को कई मीडिया संस्थानों ने दी। वहीं, दक्षिण कोरिया की संसद ने शनिवार (14 दिसंबर 2024) को राष्ट्रपति यून सुक-योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पास कर दिया। इस प्रस्ताव के लिए हुए मतदान में कुल 300 सांसदों ने हिस्सा लिया। इसमें 204 सांसदों ने महाभियोग के पक्ष में और 85 ने इसके खिलाफ वोट दिया। टीम राष्ट्रपति कार्यालय को एक समन देने वाली थी, जिसमें यून को 18 दिसंबर को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कहा गया था। ये यून के मार्शल लॉ लागू करने की जांच का हिस्सा था। टीम में उच्च पदस्थ अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ), राष्ट्रीय जांच कार्यालय (एनओआई) और रक्षा मंत्रालय के जांच मुख्यालय शामिल हैं।

पूछताछ के लिए नहीं आए यून

यून को बुधवार को समन भेजा गया था जिसमें उनसे रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे पूछताछ के लिए उपस्थित होने का अनुरोध किया गया था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। यून और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर विद्रोह, सत्ता के दुरुपयोग और लोगों को उनके अधिकारों का प्रयोग करने से रोकने के संभावित आरोपों की जांच की जा रही है। योनहाप समाचार एजेंसी ने कहा कि अभियोजक जो सेना के विशेष युद्ध कमान के प्रमुख और राजधानी रक्षा कमान के प्रमुख सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट की भी मांग कर रहे हैं। राष्ट्रपति के लिए एक और सम्मन जारी करने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति के उपस्थित न होने की खबर ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले दक्षिण कोरियाई सांसदों ने लगभग दो सप्ताह पहले मार्शल लॉ घोषित करने के असफल प्रयास के लिए उन पर महाभियोग चलाने के लिए मतदान किया था, जिसके कारण देश दशकों में सबसे खराब राजनीतिक उथल-पुथल में फंस गया था। 3 दिसंबर को देर रात राष्ट्र के नाम टेलीविजन पर दिए गए आपातकालीन संबोधन में यून ने घोषणा की कि वह मार्शल लॉ लागू कर रहे हैं तथा उन्होंने विपक्ष पर स्वराज्य विरोधी गतिविधियों के माध्यम से सरकार को पंगु बनाने का आरोप लगाया। मार्शल लॉ केवल छह घंटे तक चला और राष्ट्रपति के आदेश को पलट दिए जाने के बाद यून द्वारा नेशनल असेंबली में भेजे गए सैकड़ों सैनिक और पुलिस अधिकारी वापस चले गए। इस दौरान कोई बड़ी हिंसा नहीं हुई। यून की शक्तियों को तब तक निलंबित कर दिया गया है जब तक संवैधानिक न्यायालय यह तय नहीं कर लेता कि उन्हें पद से हटाया जाए या फिर बहाल किया जाए।

यून पर चलेगा महाभियोग

यून पर महाभियोग चलाने का दूसरा प्रस्ताव शनिवार को नेशनल असेंबली में पारित किया गया और इसे 180 दिनों तक विचार-विमर्श के लिए संवैधानिक न्यायालय में भेजा गया, जिसके दौरान यून की राष्ट्रपति पद की शक्ति निलंबित रहेगी। यून ने 3 दिसंबर की रात को आपातकालीन मार्शल लॉ घोषित किया, लेकिन कुछ घंटों बाद ही नेशनल असेंबली ने इसे रद्द कर दिया था। जांच एजेंसियों ने विद्रोह के आरोप में संदिग्ध के रूप में यून का नाम लिया था और उनके देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने कथित तौर पर विद्रोह सहित अन्य आरोपों की जांच कर रहे अभियोजकों के समन का पालन नहीं किया था, क्योंकि मार्शल लॉ घोषित करने के बाद उन पर महाभियोग चलाया जा रहा है।

मृतकों की संख्या बढ़ सकती है

फ्रांस के मायोत द्वीप पर चक्रवात चिडो का कहर

एजेंसी, फ्रांस

फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, चक्रवात चिडो के हिंद महासागर क्षेत्र में आने के बाद मायोत द्वीप में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मंत्रालय ने कहा कि मृतकों और घायलों की सटीक संख्या का पता लगाना अभी मुश्किल है, हमें आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल ये चक्रवात अब अफ्रीका के पूर्वी तट पर पहुंच गया है। बता दें कि, फ्रांस का सबसे गरीब द्वीप मायोत पहले भी सूखे और कम निवेश से जूझ चुका है। इधर मायोत के एक अस्पताल ने जानकारी दी है कि अस्पताल में नौ लोगों की हालत गंभीर है और 246 अन्य घायल हैं। फ्रांसीसी मौसम सेवा के अनुसार, चिडो के कारण 220 किलोमीटर प्रति घंटे (136 मील प्रति घंटे) से अधिक की गति से हवाएं चलीं, जिससे यह श्रेणी 4 का चक्रवात बन गया, जो इस पैमाने पर दूसरा सबसे शक्तिशाली चक्रवात था।

इस्राइली पीएम ने कहा पश्चिम एशिया का नक्शा बदल देंगे

नेतन्याहू और ट्रंप के बीच फोन पर हुई खास बातचीत

- नेतन्याहू ने वीडियो संदेश में ट्रंप से हुई बातचीत पर कहा कि 'ये बहुत दोस्ताना और अहम बातचीत रही

एजेंसी, शिमला

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बात की। नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहुत अच्छी, अहम और गर्मजोशी भरी बातचीत हुई। नेतन्याहू ने ये भी कहा कि उन्होंने ट्रंप को बताया कि इस्राइल को इस लड़ाई को खत्म करने के लिए क्या मदद चाहिए। हमास ने बीते साल 7 अक्तूबर को इस्राइल पर बड़ा आतंकी हमला किया था, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 100 लोग हमास की कैद में हैं। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा पर हवाई और जमीनी हमला किया, जिसमें 45 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। हमास का पूरा नेतृत्व खत्म हो चुका है, लेकिन अभी भी इस्राइली बंधक गाजा में कैद हैं, जिन्हें छुड़ाने की कोशिशें जारी हैं। नेतन्याहू ने वीडियो संदेश में ट्रंप से हुई बातचीत पर कहा कि 'ये बहुत दोस्ताना और अहम बातचीत रही। हमने इस्राइली जीत के बारे में बात की, साथ ही बंधकों को छुड़ाने की कोशिशों पर भी चर्चा की।' नेतन्याहू ने कहा कि 'इस्राइल, बंधकों को घर वापस लाने के लिए लगातार काम कर रहा है और मैं ये कहना चाहता हूं कि हम इसके बारे में जितना कम बात करेंगे, उतना ही बेहतर होगा और भगवान की मदद से हम जरूर सफल होंगे।'

संपादकीय

अवैध प्रवासी और भाजपा

भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड चुनाव में अवैध रोहिंग्या और बंगलादेश मुसलमानों को मुद्दा जोर शोर से उठाया था। असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड में कहा था कि राज्य में अवैध रोहिंग्या और बंगलादेश मुसलमानों की घुसपैठ हुई है। तब झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा था कि घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी राज्यों की नहीं, केंद्र सरकार की होती है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को समझ में नहीं आई। अब दिल्ली चुनाव के करीब आते ही दिल्ली में भी रोहिंग्या और बंगलादेशी मुसलमानों का मुद्दा भाजपा उठा रही है। दिल्ली पुलिस जगह-जगह लोगों के कागज चैक करके रोहिंग्या और बंगलादेशी मुसलमानों को ढूंढ रही है। अगर देश में अवैध प्रवासी आ रहे हैं तो इसे रोकने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या सीमाओं की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है? क्या सीमा सुरक्षा बल राज्य सरकारों के अधीन आते हैं? अगर भाजपा नेता अवैध प्रवासियों का मुद्दा उठाते हैं तो वे अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा करते हैं। अगर देश में रोहिंग्या और बंगलादेशी मुसलमान भारत में अवैध रूप से आ रहे हैं, तो सवाल केंद्र सरकार से किए जाने चाहिए, राज्य सरकार से नहीं। आखिर रोहिंग्या और बंगलादेशी मुसलमान देश भर में अवैध रूप से आ रहे हैं, तो यह पता लगाया जाना चाहिए कि ऐसा कैसे हो रहा है? क्या सीमाओं पर चौकसी नहीं है? कई राज्य पार करके अवैध रोहिंग्या और बंगलादेश कैसे दिल्ली तक पहुंच जाते हैं? कैसे उनके आधार कार्ड और राशन कार्ड बन जाते हैं? साल 2016 में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरन रिजीजू ने संसद में बताया था, मौजूदा जानकारी के मुताबिक भारत में बांग्लादेश से लगभग दो करोड़ अवैध प्रवासी हैं। हालांकि, उन्होंने इस जानकारी का कोई स्रोत नहीं बताया और उसके बाद से सरकार का कहना है कि उसके पास भारत में अवैध प्रवासियों की संख्या का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है। अवैध प्रवासियों की संख्या के कोई ठोस आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन भाजपा नेता इस बात पर बार-बार जोर देते हैं कि अवैध प्रवासी भारतीयों की नौकरियां छीन रहे हैं। बांग्लादेश सरकार पूर्व में कह चुकी है कि जब उसकी अर्थव्यवस्था भारत से बेहतर है तो कोई देश छोड़कर भारत को जाना चाहेगा। बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुजमान खान ने कहा था कि बांग्लादेश इतना गरीब नहीं है कि वहां के लोग भारत में जाएंगे।

आखिर रोहिंग्या और बंगलादेशी मुसलमान देश भर में अवैध रूप से आ रहे हैं, तो यह पता लगाया जाना चाहिए कि ऐसा कैसे हो रहा है? क्या सीमाओं पर चौकसी नहीं है?

पाठकवाणी

अंगदानी के परिजनों को सम्मानित करें

विगत वर्षों से देश दुनिया में अंगदान का चलन अग्रसर हो रहा है। और हमारे देश प्रदेश में भी अंगदान के लिए लोगों में जागरुकता और इसके महत्व की झलक कहीं न कहीं देखने को मिल जाती हैं। दान शब्द ही अपने आप में मानव जीवन को पुण्य लाभ और ईश्वर के सानिध्य का आभास कराता है। और यह पुण्य लाभ , पुण्य कार्य सेवाभाव जन जन तक स्थान बना रहा। अक्सर दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति दम तोड़ देते हैं या फिर कोई दानदाता जीवित अवस्था में अंगदान के नेक कार्य से प्रेरित होकर अपना देहदान, नेत्र दान, लीवर और अन्य अंगों के दान की घोषणा करता है। फिर परिजन संबंधित व्यक्ति की भावनाओं को सार्थक रूप देते हैं। सूझाव के तौर पर अंगदानी के परिजनों को मंचों पर सुशोभित और सम्मानित करना चाहिए। अंगदानी के परिजन या नामिनी व्यक्ति किसी को भी सरकारी नौकरी या सकारात्मक सोच रखकर सहयोग करना चाहिए। इस तरह की पहल से समाज में नई जागृति आएगी। लोगों में अंगदान करने की प्रवृत्ति आत्मसात होगी। लोग बढ़चढ़ कर इस पुण्य कार्य के सहभागी बनेंगे। श्अंगदान से लोगों को जिंदगी मिलती है । अंगदान से लोगों का पुनर्जन्म ही होता हे । क्या अंगदान देने वाले परिजनों को आर्थिक और अन्य कल्याणकारी योजनाओं से रूबरू कराया जाएगा? क्या अंगदान के लिए अनवरत अभियानों को चलाया जाएगा?

-योगेश जोशी, बड़वाह

कुछ खास

जब आपको संसद के सौ से अधिक सदस्य एक ही ईवीएम का उपयोग करके मिले हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं तो आप कुछ महीनों के बाद में यह नहीं कह सकते हैं कि हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं, क्योंकि अब चुनाव नतीजे वैसे नहीं हैं, जैसे हम चाहते हैं।

-उमर अब्दुल्लाह, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री

आज का ट्वीट

''जो दिल से गांधी को कभी अपना नहीं मान पाए सावरकर और गोडसे को पूजते रहे वह भला नेहरू को क्या समझेंगे? नेहरू सबका प्यारा था गांधी का भी पटेल का भी।''

-आवेश तिवारी

साइबरवर्ल्ड

नायक बनने से चूक गए सावरकर

सावरकर का जीवन बड़ा ही दिलचस्प है। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने एक ही जिंदगी में कई जिंदगी जी हों। जब वह लंदन जा रहे थे, तो शायद उनके मन में बैरिस्टर बनने का सपना था। लेकिन अंग्रेजों की गुलामी से आजादी पाने का जुनून उनसे हर सीमा पार करवा रहा था। उन्होंने अंग्रेजों की नाक के नीचे रहकर विद्रोह की प्लानिंग की, खतरे उठाए, और हर वो कदम उठाया जो उन्हें सही लगा। अगर सावरकर फ्रांस से वापस न आते, तो शायद भगत सिंह के चाचा सरदार अजीत सिंह की तरह विदेश से आजादी की लड़ाई लड़ते। लेकिन इतिहास की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि वह 'यू होता तो क्या होता' के तर्क और तर्ज से नहीं चलता, यहां वही दर्ज होता है जो वास्तव में होता है। एक घड़ी होती है निर्णायक, एक क्षण होता है अकेला और उसी वक्त लिया फैसला इतिहास की किताब में आपके वजूद का नक्शा तय कर देता है। ऐसे किसी क्षण में फैसला लिया होगा सुभाष चंद्र बोस ने, सारे जोखिम उठाकर कैद से भागकर अफगानिस्तान के रास्ते यूरोप जाने का और इस फैसले ने उनकी जिंदगी और इतिहास की किताब में उनकी जगह हमेशा के लिए बदल दी। गांधी ने दक्षिण अफ्रीका के मारित्जबर्ग के उस रेलवे स्टेशन पर अपमान की रात फैसला लिया था, रंगभेद के खिलाफ खड़े होने का। वह देश की आजादी और जाति तथा धर्म के भेदभाव के खिलाफ लड़ने तक गया और वह राष्ट्रपिता हो गए। कहने का अर्थ यह है कि इन लोगों की नीयत सही थी। यह गांधी से लेकर भगत सिंह तक सबका सच है और सावरकर का कोई भी मूल्यांकन इसी कसौटी पर होगा। जिस सेल्यूलर जेल में सावरकर को भेजा गया, उसकी दीवारों पर जाने कितने शहीदों और क्रांतिकारियों के संघर्ष की गाथाएं वक्त ने दर्ज की हुई थीं। उस क्षण वह संघर्ष की राह चुन सकते थे। अपनी रिहाई की अपीलों के बावजूद अंग्रेजों का साथ न देने का निश्चय कर सकते थे। लेकिन उन्होंने इसके उलट निर्णय लिया और इतिहास की किताब में एक नायक बनने से चूक गए। आज भले ही बीजेपी इतिहास को झुठलाने पर तुली है। कितनी भी कोशिश कर ले और ये दाग को और बदनुमा ही करेंगी।

-सत्यार्थी की फेसबुक वॉल से

एक चुनाव हकीकत या शिफूगा

सामयिक

शाहीन सबा

एक देश-एक चुनाव प्रणाली लागू करने के लिए आज लोकसभा में जरूरी विधेयक पेश किए जाएंगे। लोकसभा की सोमवार की कार्यसूची के अनुसार कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ करवाने के लिए 129वां संविधान संशोधन विधेयक पेश करेंगे। साथ ही विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और पुडुचेरी में एक साथ चुनाव के लिए संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 भी पेश करेंगे। माना जा रहा है कि संविधान संशोधन विधेयक को सदन में पेश किए जाने के बाद व्यापक चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को सौंपा जा सकता है। संसद से विधेयक पारित होने व राष्ट्रपति से मंजूरी के बाद नई व्यवस्था तब से लागू होगी जब केंद्र सरकार इसे आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा तय करेगी।

वहीं दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायतों के बीच 'एक देश एक चुनाव' का शिगूफा भाजपा ने छोड़ दिया है। हरियाणा और महाराष्ट्र में जिस प्रकार के गड़बड़ी के सबूत लोगों ने पेश किए हैं और हरियाणा में तकरीब 20 फीसदी सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों की जीत के खिलाफ पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में मामला जा चुका है। पिछले दिनों कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग से तकरीबन 1.5 घंटे से ज्यादा समय बात की और सवाल पूछे, लेकिन इसके बावजूद चुनाव आयोग ने उन्हें ईवीएम के बारे में संतुष्ट करने के बजाय सवालों के गोलमोल जवाब दिए। दरअसल, बैलेट पेपर से चुनाव की मांग अब देश में बढ़ने लगी है और विपक्षी दलों के अलावा अब आम लोग भी वैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। सभी का आरोप ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर तो है ही, साथ ही ये तर्क है कि जब अमेरिका, जापान और कनाडा जैसे देश भी ईवीएम से चुनाव नहीं कराते और वहां पर ईमानदारी से चुनाव कराने के लिए वहां के चुनाव आयोग आज भी वैलेट पेपर से चुनाव कराते हैं, जबकि वहां की टेक्नोलाजी हिंदुस्तान की टेक्नोलाजी से 100 साल आगे है, तो फिर हिंदुस्तान में ईवीएम से चुनाव क्यों नहीं कराए जाते?

बहरहाल, आज हिंदुस्तान में महंगाई, बेरोजगारी, भृष्टाचार, जमाखोरी, मुनाफाखोरी, भ्रष्टाचार समेत महंगी चिकित्सा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल और सेटिंग करके अनपढ़ और बदमाश टाइप के दलाल और अपराधी एग्जाम में करोड़ों रुपये की धांधली करके पेपर लीक कराते हैं और वहीं पढ़े-लिखे युवा उन परीक्षाओं को बिना रिश्वत और जुगाड़ के पास नहीं कर पाते, चाहे वो टॉप करने की स्थिति में क्यों न हों। यानि आज देश में गधे पंजीरी खा रहे हैं और तेज रफ्तार से दौडने वाले घोडों को घास भी नसीब नहीं हो रही है। हालात ये हैं कि देश में बड़े-बड़े घोटाले करने वाले समाज में नफरत फैलाकर भाईचारा, बंधुत्व एवं भारतीयता को भी नुक्सान पहुंचाने वाले लोग देश में तमाम समस्याओं को हल करने के बजाए समस्याएं बढ़ाने वाले मजे कर रहे हैं। और इनके पास देश में सुधार और तरक्की की कोई रणनीति भी नहीं है, लेकिन 'एक देश, एक चुनाव' और विकास की शिगूफेबाजी करके जनता का ध्यान भ्रष्टाचार और अडानी के मुद्दे से भटकाकर उसे बेवकूफ बना रहे हैं।

दरअसल, केंद्र सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए लोगों का ध्यान भटकाने के अलावा अभी तक कुछ भी खास करती नजर नहीं आ रही है। आज किसी भी तरह के सवाल का जवाब देने की जगह जिस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर उनके यानि भाजपा के सभी मंत्री और सभी नेता या तो कन्नी काट जाते हैं या उल्टा जवाब देते हैं, उससे साफ है कि भाजपा की सरकारों, खास तौर पर केंद्र की मोदी सरकार के पास देश में विकास का कोई ग्राफ या आइडिया नहीं है। और ये देखा गया है कि जब भी केंद्र की मोदी सरकार किसी मुद्दे, खास तौर पर भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और शिक्षा के बारे में पूछे जाने वाले सवालों पर घिरती है, तो वो सवाल पूछने वालों को ही टारगेट करने लगते हैं। मसलन, अभी तक कई विपक्षी नेता केंद्र की मोदी सरकार, खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तमाम जरूरी मुद्दों पर घेरने पर जेल जा चुके हैं।

बहरहाल, अभी तक भाजपा को हार का इतना डर सताता है कि हर राज्य में चुनावों को साम, दाम, दंड और भेद की रणनीति से मैनेज करती है और स्थिति ये है कि अभी नवंबर के महीने में ही एक साथ चार राज्यों यानि हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव होने थे, लेकिन चुनाव आयोग ने जैसे भाजपा को जिताने के लिए ही चुनावों की तारीख प्लान की थी और केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर चार राज्यों के चुनाव एक साथ न कराकर दो बार में कराए। इतने पर भी भाजपा के हाथ सिर्फ और सिर्फ हरियाणा की सत्ता पूर्ण बहुमत से हाथ लगी, जबकि महाराष्ट्र में उसे अपनी सहयोगी पार्टियों, शिवसेना (शिंदे) और राकांपा (अजीत), जो कि बागवत करके तोड़ी गई पार्टियां हैं, के सहारे ही सरकार बनाने में सफल हो सकी है। कहने का मतलब ये है कि आज जो सरकार प्रदेशों का चुनाव एक साथ नहीं करा पा रही हो अथवा जान बूझकर वह चुनाव जीतने के मकसद से अपने हिसाब से चुनावों की तारीखें चुनाव आयोग से मैनेज करवाती है, उस पार्टी के लोग 'एक देश एक चुनाव' की बातें करते हैं और देश की भोलीभाली जनता को सिर्फ गुमराह करने का काम रहे हैं।

गौरतलब है कि 70-80 के दशक तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव पूरे देश भर में करीब-करीब एक साथ ही होते थे और 15 दिन से ज्यादा वोटिंग का समय नहीं होता था, वहीं आज कल एक दो प्रदेश के भी चुनाव में वोटिंग का समय महीनों खींचा जा रहा है, ताकि और चुनाव को चालाकी से प्रभावित किया जा सके। एक प्रकार से देश की एक अक्षम और असफल सरकार 'एक देश, एक चुनाव' कराने की डींगे हांक रही है और खुद को बडा आदर्शवादी बताने का प्रयास कर रही है, जबकि हकीकत में इस सरकार के काल यानि मोदी राज ने सारा सिस्टम ही भ्रष्ट बना दिया गया है। अब ऐसे सिस्टम को लोग केवल चुनावों के जरिए ही बदल सकते हैं।

भाजपा को हार का इतना डर सताता है कि हर राज्य में चुनावों को साम, दाम, दंड और भेद की रणनीति से मैनेज करती है। नवंबर के महीने में ही एक साथ चार राज्यों यानि हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव होने थे, लेकिन चुनाव आयोग ने जैसे भाजपा को जिताने के लिए ही चुनावों की तारीख प्लान की थी।

अमृतवाणी

रोग की वजह

राजा कुंवरसिंह बड़े अमीर थे। उन्हें किसी चीज की कमी नहीं थी। उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं था। बीमारी के मारे वे सदा परेशान रहते थे। कई वैद्यों ने उनका इलाज किया, लेकिन उनको कुछ फायदा नहीं हुआ। राजा की बीमारी बढ़ती गई। सारे नगर में यह बात फैल गई। तब एक बूढ़े ने राजा के पास आकर कहा, महाराज, आपकी बीमारी का इलाज करने की आज्ञा मुझे दीजिए। राजा से अनुमति पाकर वह बोला, आप किसी सुखी मनुष्य का कुर्ता पहनिए, अवश्य स्वस्थ हो जाएंगे। बूढ़े की बात सुनकर सभी दरबारी हंसने लगे, लेकिन राजा ने सोचा, इतने इलाज करवाए हैं तो एक और सही। राजा के सेवकों ने सुखी मनुष्य की बहुत खोज की, लेकिन उन्हें कोई पूर्ण सुखी मनुष्य नहीं मिला। सभी लोगों को किसी न किसी बात का दुख था। अब राजा स्वयं सुखी मनुष्य की खोज में निकल पड़े। बहुत तलाश के बाद वे एक खेत में जा पहुंचे। जेठ की भरी दोपहरी में एक किसान अपने काम में लगा हुआ था। राजा ने उससे पूछा, क्यों जी, तुम सुखी हो? किसान की आंखें चमक उठी, चेहरा मुस्करा उठा। वह बोला, ईश्वर की कृपा से मुझे कोई दुख नहीं है। यह सुनकर राजा का अंग-अंग मुस्करा उठा। उस किसान का कुर्ता मांगने के लिए ज्यों ही उन्होंने उसके शरीर की ओर देखा, उन्हें मालूम हुआ कि किसान सिर्फ धोती पहने हुए है और उसकी सारी देह पसीने से तर है। राजा समझ गया कि श्रम करने के कारण ही यह किसान सच्चा सुखी है। उन्होंने आराम-चैन छोड़कर परिश्रम करने का संकल्प किया। थोड़े ही दिनों में राजा की बीमारी दूर हो गई। अगर व्यक्ति शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के श्रम करे तो वह कभी भी बीमार और हताश नहीं हो सकता।

तीखी नजर

खुदाई जारी रहे गहरा खोदो भाई !

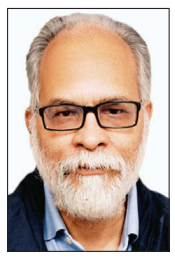

राजेंद्र शर्मा

ऊपर वाले का और सिर्फ लखनऊ वाले ही नहीं, दिल्ली वाले ऊपर वाले का भी लाख-लाख शुक्र है कि संभल में खुदाई चल रही है। बल्कि खुदाई से ज्यादा ढुंढाई चल रही है। आखिर, कुछ तो मिलना चाहिए। अब बेचारे लखनऊ और दिल्ली के ऊपर वाले भी क्या करें? खुदाई-वुदाई पर तो सुप्रीम कोर्ट ने कम से कम अभी तो रोक लगा दी है। खुदाई छोड़िए, सुप्रीम कोर्ट वालों ने तो सर्वे तक पर रोक लगा दी है। और सिर्फ संभल में ही नहीं, बाकी हर जगह भी सर्वे तक के आदेशों पर तब तक के लिए रोक लगा दी है, जब तक बड़ी अदालत का अगला आदेश नहीं आ जाता है। सच पूछिए तो शुरू-शुरू में तो संभल का प्रशासन भी इस फरमान से कुछ हैरान-परेशान सा हो गया। शाही मस्जिद तो मस्जिद, उसके आस-पास के इलाके में भी, योगीशाही हाथ-पांव समेट कर बैठ गई। पर ज्यादा से ज्यादा दो दिन। तीसरे दिन तो बुलडोजर बाबा के बुलडोजरों ने बाकायदा मोर्चा संभाल ही लिया।

अब सुप्रीम कोर्ट के ही एक और फैसले को धता बताते हुए, जमीन से ऊपर दुकानों, मकानों वगैरह पर बुलडोजरी खुदाई शुरू हो गई। न्याय की देवी की आंखों की पट्टी पहले ही खुल चुकी थी, सो बिना किसी मुश्किल से कपड़ों से पहचान-पहचान कर, मुसलमानों के दुकानों, मकानों पर, जमीन के ऊपर वाली बुलडोजरी खुदाई हुई। और जब बुलडोजर ही मैदान में आ गया, फिर बाकी सरकारी अमला पीछे कैसे रह जाता? जिलाधिकारी की लीडरशिप में शाही मस्जिद के इर्द-गिर्द के इलाके में अतिक्रमणों की खुदाई शुरू हो गई। इससे मन नहीं भरा तो मस्जिदों वगैरह पर लाउडस्पीकरों की तलाशी शुरू हो गई। उससे भी संतोष नहीं हुआ तो बिजली चोरी की ढुंढाई शुरू हो गई। आखिरकार, यह गहरी खोज सफल हुई। इस इलाके में भी जमीन के ऊपर खुदाई में एक मंदिर निकल आया, वर्षों से बंद पड़ा मंदिर।

जब मस्जिद की बगल में मंदिर मिल गया है, तो क्या मस्जिद के अंदर मंदिर नहीं मिल जाएगा? बस जरा तबियत से खुदाई हो जाए। खैर, जब तक मस्जिद के अंदर मंदिर खोदकर नहीं निकाल लिया जाता है, तब तक मस्जिद की बगल वाला मंदिर सही। इस मंदिर की बस एक ही प्राब्लम है। न उसे किसी ने तोड़ा है, न कोई मंदिर को मस्जिद या मजार जैसा कुछ भी बताता है। मंदिर बस मंदिर है, बंद पड़ा मंदिर। यानी न कोई स्टोरी और न कोई विवाद। ऐसा मंदिर किसी के किस काम का? अभी मंदिर पर ताला लगवाया है, एक दिन वहां मस्जिद या दरगाह भी बना देंगे। वह तो योगी जी का डर है, वर्ना कभी की शाही मस्जिद की बगल में, एक नन्ही सी मस्जिद बन गई होती। बस इस स्टोरी में एक ही समस्या है। मंदिर जिनकी मिल्कियत का है, वे खुद कह रहे हैं कि मंदिर पर ताला हमने ने लगाया था। करते भी तो क्या करते, मंदिर को चलाने के लिए पुजारी मिलता नहीं है। पर इस समस्या का समाधान भी निकलेगा। मंदिर की मिल्कियत वालों का बयान भी बदलेगा। बस खुदाई जारी रहे।

नजरिया

दिल्ली चुनाव में सक्रिय नहीं दिख रही कांग्रेस

योगेश सोनी

कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह चुनाव कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का अघोषित गठबंधन भी हो सकता है। यहां अघोषित गठबंधन से अभिप्राय यह है कि वह खुले तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस केवल नाम मात्र के लिए ही चुनाव लड़ेगी।

महाराष्ट्र और झारखंड के बाद अब बारी दिल्ली विधानसभा चुनाव की है और अब इसमें को दो राय नहीं कि यहां दो बार से लगातार जीतती आ रही आम आदमी पार्टी इस बार भी चुनावी रणनीति से लेकर प्रचार के मामले में बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर बढ़त बनाए हुए है। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल ये कि राहुल गांधी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी की खाक छानते हैं, लेकिन उनकी नाक के नीचे दिल्ली में जहां कभी शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी ने 15 साल तक राज किया था, उसी दिल्ली को राहुल गांधी ने क्या इस बार भी आम आदमी पार्टी की झोली में डालने का मन बना लिया है? ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि दिल्ली में इस बार जो चुनाव होंगे तो खुद केजरीवाल और उनके कई नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे हैं ऐसे में बीजेपी के साथ ही कांग्रेस के लिए एक मौका है। लेकिन लगता है कि कांग्रेस पार्टी ने एक रणनीति के तहत केजरीवाल के सामने अचानक सरेंडर कर दिया है। मौजूदा स्थिति में कांग्रेस केवल अडानी के मुद्दे पर ही अटक सी गई है। कांग्रेस किसी भी स्तर के चुनाव के लिए संबंधित राज्य या अन्य किसी घटनाक्रम पर कोई चर्चा नहीं कर रही।

यदि दिल्ली के परिवेश में चर्चा करे तो अब भी कांग्रेस ने दिल्ली की समस्याओं से संबंधित या चुनावी रणनीति के तहत अब तक कोई ब्यान नही दिया। राहुल गांधी के साथ अब सदन में वायनाड से चुनाव जीतकर एंट्री की ओर तब से वह भी आक्रामक शैली अपनाती नजर आ रही है लेकिन समस्या यह है वह भी केवल अडानी के मुद्दे पर ही बात कर रही है। यहां दोनों नेताओं को यह समझना पड़ेगा कि देश में आम जनता को अपने से जुड़े मुद्दे समझ में आते हैं। अडानी के मामले से किसी आमजन को किसी भी प्रकार का सरोकार नही है और किसी भी घटनाक्रम की सीमा होती है। हर रोज प्रेस कॉफिंस करके या अपने चुनावी भाषण एक ही बात को करना जनता को समझ नही आ रहा। दरअसल कांग्रेस बीते लगभग तीन वर्षों में किसी भी राज्य व लोकसभा चुनाव में जितनी ऊर्जा के साथ लड़ी, उतनी ऊर्जा दिल्ली के परिवेश में नहीं दिख रही। इस बात को लेकर हर कोई आश्चर्यचकित है कि कांग्रेस ऐसा क्यों कर रही है।

कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का एक मानना यह भी है कि यह चुनाव कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का अघोषित गठबंधन भी हो सकता है। यहां अघोषित गठबंधन से अभिप्राय यह है कि वह खुले तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस केवल नाम मात्र के लिए ही चुनाव लड़ेगी। आज के दौर में इसका सबसे बड़ा उदाहरण मायावती के रुप में देखा जा सकता है। इसके अलावा कांग्रेस के बड़े चेहरे भी आम आदमी पार्टी व बीजेपी में शामिल हुए। पहले यह भी कहा जा रहा था कि दोनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे लेकिन बाद में दोनों ने एकला चलो की नीति अपनाई है और राहुल गांधी के करीबी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव करीब एक महीने से न्याय यात्रा निकाले हुए हैं, लेकिन राहुल ने अब तक इसमें हिस्सा ही नहीं लिया है। जबकि इस न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने शुरुआत में खूब हवा बनाया था। लेकिन जैसे-जैसे समय बीत रहा है कांग्रेस पार्टी जमीन पर कुछ खास करती हुई नजर नहीं आ रही है, जैसा की पहले लग रहा था।

दरअसल, इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पहले से अच्छा प्रदर्शन किया था और माना गया कि मुस्लिम मतदाताओं का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है और जहां तक बात दिल्ली में मुस्लिम मतदाताओं की तो वो करीब 11 से 12 फीसदी है और 70 विधानसभा सीटों में से आठ विधानसभा सीटें तो मुस्लिम बाहुल्य है। जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 35 से 60 फीसद तक है और आम आदमी पार्टी के उदय से पहले यहां कांग्रेस के प्रत्याशी ही जीतते रहे थे। ऐसे में इस बार कांग्रेस को फिर से वापसी का प्रयास करना चाहिए था और उसमें उसे कामयाबी भी मिल सकती थी। क्योंकि 2015 और 2020 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को शून्य सीटें मिली थी। ज्ञात हो कि यह वही कांग्रेस और आदमी पार्टी हैं, जो 1993 के विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे को गाली देते हुए लड़े और जब लगा कि बीजेपी सत्ता में आ सकती है तो दोनों एक हो गए लेकिन इनका साथ 50 दिनों तक भी नहीं चला। तब कांग्रेस को चौबीसफीसदी से अधिक वोट मिले थे। लेकिन इसके बाद जो हुआ उसका आंकड़ा गौर करने वाला है। 2015 में कांग्रेस का वोट फीसदी दस फीसदी के करीब रहा और 2020 में कांग्रेस का आंकड़ा गिरकर पांच फीसदी के करीब आ गया। इधर बीजेपी का वोट प्रतिशत तीस फीसदी या उससे ज्यादा बना हुआ है। जबकि आम आदमी पार्टी का वोट फीसदी 53 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है। यानी अगर देखा जाए तो क्या दिल्ली में बीजेपी को दूर रखने के लिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ डील कर ली है, क्योंकि ये डील पहले भी होती रही है और लोकसभा चुनाव में भी दोनों ने दिल्ली में मिलकर लड़ा था हालांकि दोनों को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी।

इसके अलावा फ्रांसीसी अखबार में छपी इस रिपोर्ट के आधार पर बीजेपी के सांसदों ने कांग्रेस को सदन में घेर लिया। बीजेपी के सांसदों ने कांग्रेस और विपक्ष के नेता पर विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में किस तरह के किरदार में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएगी, फिलहाल उसकी तस्वीर स्पष्ट नही है, लेकिन अंतिम समय में क्या निर्णय व परिस्थितियां बनती हैं, यह समय ही बताएगा।

हेड-स्मिथ के शतक, ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में

तीसरे टेस्ट का दूसरा दिन : बुमराह ने खोला पंजा, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में सात विकेट पर बनाए 405 रन

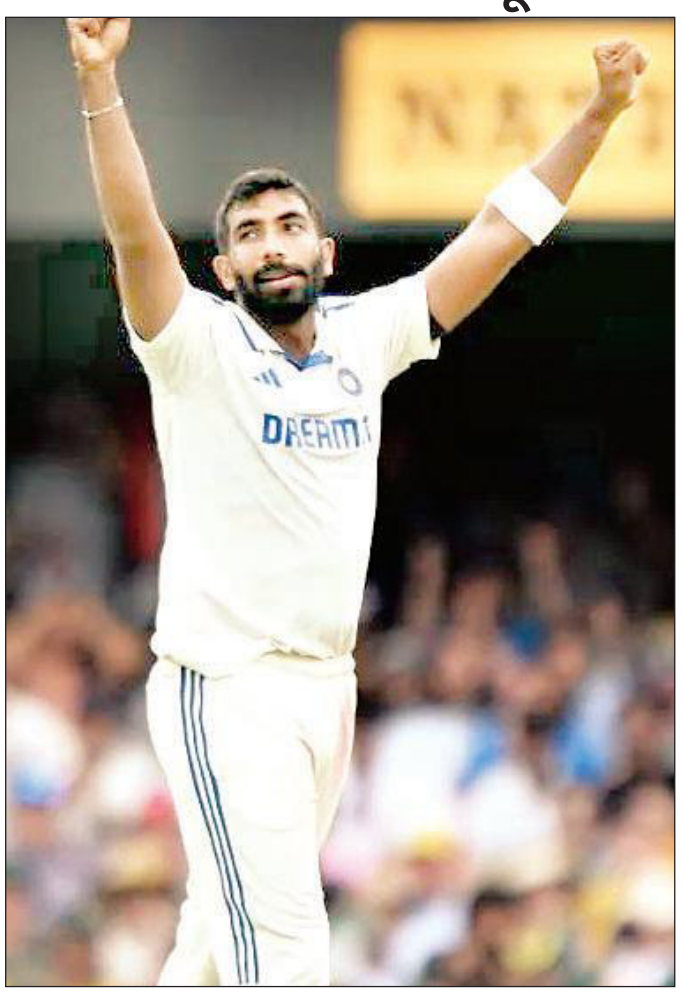

● ब्रिसबेन,

ट्रैविस हेड (152) स्टीव स्मिथ (101) की शतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 405 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली हैं।

चायकाल के बाद दिन के आखिरी सत्र में जसप्रीत बुमराह एक बार फिर लय में दिखे। बुमराह ने स्टीव स्मिथ को आउटकर भारत को चौथी सफलता दिलाई। स्मिथ ने 190 गेंदों में 12 चौके लगाते हुये (101)रनों की पारी खेली। बुमराह का अगला शिकार मिचेल मार्श (05) बने। इसके बाद उन्होंने ट्रैविस हेड (152) को पंत के हाथों कैच कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। इस समय ऐसा लग रहा था कि भारत मैच में वापसी करेगा। लेकिन कप्तान पैट कमिंस और एलेक्स कैरी ने भारतीय उम्मीदों को झटका दिया। दिन का सातवां विकेट कप्तान पैट कमिंस (20) के रूप में गिरा। उन्होंने मोहम्मद सिराज ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 405 रन बना लिये हैं और एलेक्स कैरी (नाबाद 45) और मिचेल स्टार्क (नाबाद सात) रन बनाकर क्रीज पर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार के 28 रन के स्कोर से रविवार को आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में तीन रन जुड़े थे कि जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (21) को विकेट के पीछे रिषभ पंत के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई। 19वें ओवर में बुमराह ने नेथन मैकस्वीनी (09) का भी शिकार कर डाला। 33वें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन (12) को आउट किया। भोजनकाल तक 104 पर तीन विकेट गंवाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम संकट में फंस गई थी। ऐसे संकट के समय में बल्लेबाजी करने आये स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। चायकाल तक ट्रैविस हेड ने अपना शतक पूरा कर लिया है। यह उनका टेस्ट क्रिकेट का चौथा शतक है। भारत की ओर जसप्रीत बुमरा ने पांच और नीतीश और सिराज एक-एक विकेट लिया।

ट्रैविस हेड
रन : 152
गेंद : 160
चौके : 18
छक्का : 00

स्टीव स्मिथ
रन : 101
गेंद : 190
चौके : 12
छक्का : 00

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में इंग्लैंड के जो रुट की बराबरी कर ली है। अब इन दोनों प्लेयर्स के इंडिया के खिलाफ 10-10 शतक हो गए हैं।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	रन	गेंद	4	6
उस्मान ख्वाजा का पंत बो बुमराह	21	54	3	0
मैकस्वीनी का कोहली बो बुमराह	09	49	1	0
लाबुशेन का कोहली बो नीतीश	12	55	0	0
स्टीव स्मिथ का रोहित बो बुमराह	101	190	12	0
हेड का पंत बो बुमराह	152	160	18	0
मार्श का कोहली बो बुमराह	05	16	0	0
एलेक्स कैरी नाबाद	45	47	5	1
पैट कमिंस का पंत बो सिराज	20	33	1	0
मिचेल स्टार्क नाबाद	07	7	0	0
अतिरिक्त : 33 रन				
कुल : 101 ओवर में सात विकेट पर 405 रन				
विकेट पतन : 1-31, 2-38, 3-75, 4-316, 5-326, 6-327, 7-385				

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जसप्रीत बुमराह	25	7	72	5
मोहम्मद सिराज	22.2	4	97	1
आकाश दीप	24.4	5	78	0
नीतीश कुमार रेड्डी	13	1	65	1
रवींद्र जडेजा	16	2	76	0

बुमराह ने तोड़ा कपिल देव का रिकॉर्ड

ब्रिसबेन, वार्ता : जसप्रीत बुमराह ने जहां गाबा के स्टेडियम में दूसरे दिन के खेल में ऑस्ट्रेलियाई टीम की पहली पारी में 5 विकेट पूरे किए उसी के साथ उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। बुमराह ने साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया यानी सीना देशों में मिलाकर कुल 8वीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट अपने नाम किए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड कपिल देव के नाम पर था, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने करियर के दौरान कुल

7 बार सीना देशों में 5 विकेट हॉल एक पारी में हासिल किए थे। वहीं एशियाई गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह ने इमरान खान की बराबरी की है जिन्होंने भी सीना देशों में 8 बार एक पारी में 5 विकेट हासिल किए थे। इस लिस्ट में पहले नंबर पर वसीम अकरम का नाम है, जो इस कारनामे को 11 बार करने में कामयाब हुए थे।

सीना देशों में भारत के लिए सबसे ज्यादा बार टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह - 8 बार
कपिल देव - 7 बार
जहीर खान - 6 बार
भगवत चंद्रशेखर - 6 बार

मुंबई ने जीता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब

बेंगलुरु, वार्ता : सूर्यकुमार यादव (48) अजिंक्य रहाणे (37) और सूर्यांश शेगड़े (नाबाद 36) रनों की शानदार पारियों की बदौलत मुंबई ने रविवार को फाइनल मुकाबले में मध्यप्रदेश को पांच विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 का खिताब अपने नाम किया। आतिशी बल्लेबाजी करने वाले सूर्यांश शेगड़े को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा टूर्नामेंट में 469 रन बनाने वाले अजिंक्य रहाणे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

मध्यप्रदेश के 175 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव (10) का विकेट गवां दिया। इसके बाद अजिंक्य रहाणे और कप्तान कप्तान

खिताबी मुकाबले में मध्यप्रदेश को पांच विकेट से दी शिकस्त

श्रेयस अय्यर ने पारी संभालने का प्रयास किया। पांचवें ओवर में त्रिपुरेश सिंह ने श्रेयस अय्यर(16) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सूर्यकुमार यादव ने शानदार पारी खेलते हुए 35 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुये (48) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे नौ रन बनाकर आउट हुये। अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंदों में चार चौकों की मदद से (37) रन बनाये। अथर्व अंकोलेकर छह गेंदों में (नाबाद 16) और सूर्यांश शेगड़े 15 गेंदों में (नाबाद 36) रनों की आतिशी पारी खेली। मुंबई ने 17.5 ओवर में 180 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला और खिताब अपने नाम किया।

मध्यप्रदेश की ओर से त्रिपुरेश सिंह ने दो, शिवम शुक्ला, वेंकटेश अय्यर, कुमार कार्तिकेयन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले यहां कप्तान रजत पाटीदार (नाबाद 81) की आतिशी अर्धशतकीय पारी के दम पर मध्यप्रदेश ने मुंबई को जीत के लिए 175 रनों का लक्ष्य दिया था। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र छह रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अर्पित गौड़ (तीन), हर्ष गवली (दो) रन बनाकर आउट हुये।

सार संक्षेप

शमी को बंगाल की विजय हजारे ट्रॉफी टीम में किया शामिल

नई दिल्ली : तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल की 20 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। शमी ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल के लिए सभी नौ मैचों में खेलते हुए 7.85 की इकॉनमी से 11 विकेट लिए। टूर्नामेंट के दौरान उनके घुटने में सूजन आ गई, जिससे टेस्ट क्रिकेट के लिए उनकी तैयारी में बाधा आई। वह ऑस्ट्रेलिया में चल रही टेस्ट सीरीज के लिए अपनी फिटनेस हासिल करने करने का प्रयास कर रहे है। शमी के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और सुदीप कुमार घरामी की अगुवाई वाली बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। मुकेश फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी रिजर्व के तौर पर हैं। बंगाल अपना अभियान 21 दिसंबर को हैदराबाद में दिल्ली के खिलाफ शुरू करेगा। खिलाड़ी बुधवार को कोलकाता से हैदराबाद के लिए रवाना होंगे।

एचपीयू फुटबॉल टीम अल्मोड़ा यूनिवर्सिटी को 1-0 से हराया

शिमला : हिमाचल प्रदेश विश्विद्यालय (एचपीयू) की फुटबॉल टीम ने रविवार को जी.एन.ए यूनिवर्सिटी फगवाड़ा में चल रही अंतर विश्विद्यालय प्रतियोगिता में अपना पहला मैच एस.एस अल्मोड़ा यूनिवर्सिटी से 1-0 से जीत लिया है। टीम के लिए एक मात्र गोल आदित्य सिंधी ने किया। टीम का अगला मैच सोमवार को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी पटियाला के साथ होगा। टीम कोच और मैनेजर डॉ. गौरव भारद्वाज और टीम मैनेजर हरीश शर्मा ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए अगले मैच में टीम के लिए हौंसले बुलंद होने की बात कही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अगले मैच में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त करेगी।

41 अंतरराष्ट्रीय टीमें खो-खो विश्वकप में लेंगी भाग

नई दिल्ली : भारत में जनवरी में होने वाले पहले खो-खो विश्व कप में अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, नीदरलैंड, पोलैंड सहित 41 अंतरराष्ट्रीय टीमें भाग लेंगी। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और खो-खो विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि 13 से 19 जनवरी 2025 तक इन्दिरा गांधी इंडोर स्टेडियम और नोएडा इंडोर स्टेडियम में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में विश्व भर के छह महाद्वीपों यूरोप, अफ्रीका, ओशिनिया, एशिया ,दक्षिण अमेरिका, उतरी अमेरिका के 24 देशों ने अपनी हिस्सेदारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस विश्वकप में अमेरिका पुरुष टीम भेजेगा जबकि जर्मनी, नीदरलैंड पोलैंड और इंग्लैंड, पुरुष और महिला दोनों वर्गो में हिस्सेदारी लेंगे। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया की टीमें होंगी। ऑस्ट्रेलिया महिला और पुरुष दोनों वर्गों में तथा न्यूजीलैंड केवल महिला वर्ग में ही प्रतिभागी होगा।

शीर्ष-6 में पहुंचे जयपुर पिंक पैंथर्स

हार के साथ तमिल थलाइवाज का सफर समाप्त

पुणे, वार्ता : जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने आलराउंड प्रदर्शन के दम पर बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में रविवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के सीजन के 113वें मैच में तमिल थलाइवाज को 34-27 के स्कोर से हराते हुए अंक तालिका में छठा स्थान हासिल कर लिया है। इस हार के साथ इस सीजन में थलाइवाज का सफर समाप्त हो गया है।

डिफेंस के दम पर चले इस मैच में रेडर्स कुछ खास नहीं कर सके। जयपुर ने हालांकि रेड में 7 के मुकाबले 13 अंक लेकर बेहतर प्रदर्शन किया और 19 मैचों में 10वीं जीत हासिल की। दूसरी ओर, थलाइवाज को 19 मैचों मे 12वीं और पिछले छह मैचों मे पांचवीं हार मिली। डिफेंस में थलाइवाज ने 15 के मुकाबले 17 अंक लिए। शुरुआती चार मिनट में बराबरी का मुकाबला हुआ। स्कोर 4-4 था। जयपुर ने हालांकि इसके बाद लगातार तीन अंक ले फासला 3 का कर दिया। इसी बीच हिमांशु ने रेजा से गलती कराकर स्कोर 5-7

कर दिया। फिर नितेश ने नीरज को एंकल होल्ड कर लिया लेकिन अंकुश ने इसी अंदाज में साई प्रसाद को लपक लिया। 10 मिनट की समाप्ति तक जयपुर 9-7 से आगे थे। ब्रेक के बाद अर्जुन की रेड पर नितेश सेल्फ आउट हुए। इस तरह थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन हो गया। इस बीच थलाइवाज के लिए डू ओर डाई रेड पर सचिन आए लेकिन रौनक ने उन्हें लपक कर स्कोर 11-7 कर दिया। अर्जुन की अगली रेड पर थलाइवाज को सुपर टैकल के दो और जयपुर को एक अंक मिला। फिर हिमांशु एक अंक लेकर लौटे लेकिन थलाइवाज अधिक देर खुद को संभाव नहीं सके और जयपुर ने आलआउट लेकर 17-10 की लीड ले ली।

डब्ल्यूपीएल नीलामी में सिमरन शेख सबसे महंगी खिलाड़ी

● बेंगलुरु, वार्ता

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 की रविवार को हुई मिनी नीलामी में लेग स्पिनर को सिमरन शेख को मुंबई इंडियंस ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर 1.90 करोड़ रुपये में खरीदा।

सिमरन का यह चयन उनकी टी-20 क्रिकेट में उनकी गेम-चेंजर की भूमिका को दर्शाता है। इसके अलावा मुंबई ने शानदार प्रदर्शन कर रही तमिलनाडु की 16 वर्षीय जी कमलिनी को 1.60 करोड़ रुपये में खरीदा । कमलिनी के लिए अनकैप्ड में सबसे बड़ी बोली लगी। वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन को गुजरात जायंट्स ने 1.70 करोड़ रुपये में खरीदा। डॉटिन ने हाल ही में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था। विश्वकप में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ रन देकर चार विकेट लिये थे। इसके अलावा उन्होंने 167.3 की स्ट्राइक रेट से 82 रन भी बनाए थे। नीलामी में

लेग स्पिनर को सिमरन शेख को मुंबई इंडियंस ने खरीदा

प्रमुख भारतीय खिलाड़ी स्नेह राणा और पूनम यादव शुरुआती दौर में नहीं मिला खरीदार। इस बीच, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्रेमा रावत को 1.2 करोड़ रुपये में और दिल्ली कैपिटल्स ने एन. चरानी को 55 लाख रुपये में खरीदा।

इंग्लैंड को पहली पारी में 143 रन पर समेटा

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर बनाए 136 रन, कुल बढ़त 340 रन की

● हैमिल्टन, वार्ता

मैट हेनरी (चार विकेट), विलियम ओ'रूर्क और मिचेल सेंटनर (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद विल यंग (60) और केन विलियमसन (नाबाद 50) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में तीन विकेट पर 136 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 340 करने के साथ ही मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं।

यहां इंग्लैंड के बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के कहर का सामना करना पड़ा। मैट हेनरी , विलियम ओ'रूर्क और मिचेल सेंटनर ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए इंग्लैंड की पूरी टीम को 35.4 ओवर में महज 143 के स्कोर पर समेट कर पहली पारी के आधार पर 204 रनों की बढ़त बना ली। इंग्लैंड की ओर जो रूट ने सर्वाधिक 32 रनों की पारी खेली। कप्तान बेन स्टोक्स (27), ऑली पोप (24), जैक क्रॉली (14), जेकब बेथेल (12), बेन डकेट

(11) रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैड के पांच बल्लेबाजों ने एक, शून्य और चार रन बनाये। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 48 रन देकर (चार विकेट), विलियम ओ'रूर्क ने 33 रन देकर (तीन विकेट)और मिचेल सेंटनर ने मात्र सात रन देकर (तीन विकेट) झटके। दूसरी पारी में टॉम लाथम और विल यंग की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 35 रन जोड़े। टॉम लाथम (19) के रूप में न्यूजीलैंड को पहला झटका लगा। उन्हें गस ऐटकिंसन ने बोल्ड आउट किया। यंग ने इसके बाद विलियमसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 89 रन जोडकर मैच पर न्यूजीलैंड की पकड़ और मजबूत कर दी। उसके बाद 28वें ओवर में विल यंग (60) रन बनाकर आउट हुये। यंग ने 85 गेंद में (60) रनों की पारी में नौ चौके लगाये। विलियम ओरूर्क (शून्य) तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। यहां दिन का खेल समाप्त होने के समय पहली पारी में 204 रन की बढ़त हासिल करने वाले न्यूजीलैंड कुल बढ़त 340 रन हो गई है और उसके सात विकेट शेष है। केन विलियमसन अपना 38वां अर्धशतक कर (नाबाद 50) और उनके साथ रचिन (नाबाद दो) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 347 रन बनाये थे।

शीतलहर के बीच एसके जोधपुर मैराथन में दिखा धावकों का जज्बा

जोधपुर, वार्ता : राजस्थान में जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बैंड पर देशभक्ति गीतों की धुन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, शीतलहर के बीच भरपूर जज्बे के साथ स्वच्छ, स्वस्थ और नशा मुक्त जोधपुर का संदेश देते हुए दौड़ते लोग, रविवार सुबह एमबीएम विश्वविद्यालय जोधपुर के निकट कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला।

मौका रहा संस्कृति युवा संस्था और एसके फाइनेंस द्वारा आयोजित एसके जोधपुर मैराथन का। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिह ने बतौर मुख्य अतिथि मैराथन में हिस्सा लिया। अभिनेता राहुल देव और अभिनेत्री मुग्धा गोडसे ने भी धावकों की हौसला अफजाई की। हजारों धावकों ने तीन श्रेणियों 21 किमी एवं 10 किमी की टाइम दौड़ और तीन किमी की नॉन टाइम दौड़ में हिस्सा लेकर स्वस्थ रहने को प्रोत्साहित किया। आयोजक मुकेश मिश्रा ने बताया कि 15 हजार लोगों ने मैराथन में हिस्सा लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)